भाद्रपद शुक्ल - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 48 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 10-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 न्यायालय में सुनवाई के दौरान बेनकाब हुआ ममता बनर्जी का 'विद्रूप चेहरा': भाजपा

6 जमू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

7 नेगेटिव बातों से खुद को दूर रखती हैं अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

लंदन में अफगानिस्तान का दूतावास बंद होगा

लंदन/एपी। ब्रिटेन सरकार ने सोमवार को कहा कि लंदन स्थित अफगानिस्तान के दूतावास को बंद किया जा रहा है, क्योंकि देश के तालिबान शासकों ने इसे मान्यता नहीं दी है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने कहा, ''तालिबान द्वारा अपने कर्मचारियों को बर्खास्त करने के बाद दूतावास को बंद किया जा रहा है।'' ब्रिटेन तालिबान सरकार को मान्यता नहीं देता है। राजदूत जल्मई रसूल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि दूतावास ''मेजबान देश के आधिकारिक अनुरोध पर'' 27 सितंबर को अपना कार्यालय बंद कर देगा। न तो ब्रिटिश सरकार और न ही राजदूत ने बताया कि दूतावास के कर्मचारियों का क्या होगा।

इंदिरा गांधी एकता पुरस्कार के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। पार्टी से संबंधित 'इंदिरा गांधी एकता पुरस्कार सलाहकार समिति' ने वर्ष 2022 एवं 2023 के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार की खातिर प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इस पुरस्कार की शुरुआत 1985 में की गई थी। यह पुरस्कार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि 31 अक्तूबर को दिया जाता है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान देने के लिए किसी व्यक्ति या संस्था को दिया जाता है जिसमें प्रशस्ति-पत्र के अलावा दस लाख रुपए की नकद राशि भी प्रदान की जाती है। यह पुरस्कार अब तक स्वामी रंगनाथ नंदा, अरुणा आसफ अली, पी.एन. हक्सर, एम.एस. सुब्बालक्ष्मी, राजीव गांधी (मरणोपरांत), सरदार बेअंत सिंह (मरणोपरांत), डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, शंकर दयाल शर्मा (मरणोपरांत), प्रो सतीश धवन और कई अन्य हस्तियों को प्रदान किया जा चुका है।

गूगल पर एक और मुकदमा, विज्ञापनों के एकाधिकार का मामला

एलेक्जेंड्रिया/एपी। गूगल के सर्च इंजन को एक न्यायाधीश द्वारा अवैध एकाधिकार वाला बताए जाने के करीब एक महीने बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को उसकी विज्ञापन तकनीक को लेकर एक और मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। न्याय विभाग और राज्यों का तर्क है कि गूगल ने ऑनलाइन प्रकाशकों को विज्ञापनदाताओं से मिलाने वाली तकनीक पर एकाधिकार बनाया है और उसे कायम रखा है। सरकार ने अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया है कि लेन-देन के खरीद और बिक्री दोनों पक्षों को लेकर सॉफ्टवेयर पर प्रभुत्व रखने से गूगल को प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के बीच बिक्री के लिए दलाली करने पर एक डॉलर पर 36 सेंट तक अर्जित करने में मदद मिलती है।

10-09-2024	11-09-2024
सूर्यास्त 6:24 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
81,559.54	24,936.40
(+375.61)	(+84.25)

सोना	चांदी
7,531 रु.	86,409 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

प्रतिपक्ष विरोध

बिन सोचे बिन समझे ही,
आता है उनको बहुत क्रोध।
कारण या फिर परिणामों पर,
वे हरगिज करते नहीं शोध।
शायद इसलिए सयाने कुछ,
उनको कह देते हैं अबोध।
प्रतिपक्षी का यह अर्थ नहीं,
जायज का भी हरदम विरोध।।

कोलकाता घटना : उच्चतम न्यायालय ने बंगाल में प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से कहा

काम की कीमत पर प्रदर्शन नहीं किया जा सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों को काम पर तत्काल लौटने का निर्देश देते हुए सोमवार को कहा कि ''विरोध प्रदर्शन कर्तव्य की कीमत पर नहीं किया जा सकता।''

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को मंगलवार शाम पांच बजे तक काम पर लौटने का निर्देश दिया और उन्हें आश्वासन दिया कि अगर वे काम पर लौटते हैं, तो उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पीठ ने कहा, ''पश्चिम बंगाल को चिकित्सकों के मन में यह भरोसा पैदा करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि सुरक्षा संबंधी उनकी चिंताओं पर उचित ध्यान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलाधिकारी और एसपी (पुलिस अधीक्षक) सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज और सार्वजनिक अस्पतालों में स्थिति का जायजा लेंगे और पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे।''

उसने कहा, ''हम यह भी निर्देश देते हैं कि यदि चिकित्सक मंगलवार को शाम पांच बजे या उससे पहले काम पर लौटते हैं, तो उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। यदि वे काम से लगातार अनुपस्थित रहते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की संभावना है।''

सीबीआई ने फॉरेंसिक रिपोर्ट पर न्यायालय में संदेह जताया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार एवं हत्या की शिकार हुई स्नातकोत्तर चिकित्सक की फॉरेंसिक रिपोर्ट पर संदेह जताया और कहा कि उसने आगे की जांच के लिए नमूने एम्स भेजने का फैसला किया है।

सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को सूचित किया कि मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार संबंधित मौत हत्या थी और बलात्कार के सबूत हैं। उन्होंने कहा, ''सुबह 9.30 बजे अर्धनग्न अवस्था में महिला का शव मिला। शरीर पर चोट के निशान थे। उन्होंने नमूने लेकर पश्चिम बंगाल स्थित सीएफएसएल (केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) भेज दिए हैं।''

सीलबंद लिफाफे में दाखिल रिपोर्ट पर गौर कर रही अदालत ने कहा, ''हमने जांच की आगे की प्रक्रिया देखी है, हम इस पर खुली अदालत में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। हम ताजा वस्तु-स्थिति रिपोर्ट चाहते हैं। सीबीआई को सुरागों के आधार पर आगे बढ़ने दें।''

सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की, दो आतंकवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण से कुछ दिन पहले राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। ये आतंकवादी भारी हथियारों से लैस थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सतर्क जवानों ने देखा कि आतंकवादी सीमा पार से इस ओर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया, ''इसके बाद भीषण गोलीबारी हुई। गोलीबारी रातभर जारी रही। आतंकवादियों पर नजर रखने के लिए यूएवी, रात में देखने में सक्षम कैमरे और अन्य निगरानी उपकरण तैनात किए गए।'' उन्होंने बताया कि गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए।

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव के बाद हिंसा, 34 हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में गणेश उत्सव के दौरान कुछ नाबालिगों द्वारा एक पंडाल पर कथित तौर पर पथराव किए जाने के कारण वहां स्थापित गणेश मूर्ति खंडित हो गई, जिसके बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क गई और कुछ पुलिसकर्मी सहित अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात सैयदपुरा में घटी इस घटना के सिलसिले में छह नाबालिगों को हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद करीब 300 लोगों ने अपने समुदाय के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करते हुए लालगेट थाने का घेराव किया।

सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने संवाददाताओं से कहा कि दो तरफ से पथराव हुआ, जिसमें पुलिस कर्मियों सहित कुछ लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लोगों के एक समूह ने क्षेत्र में खड़े दो वाहनों को आग के हवाले कर दिया और दो अन्य में तोड़फोड़ की। गहलोत ने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के सिलसिले में अभी तक तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और छह नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को धन शोधन के एक मामले में सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल ने कहा, ''(अमानतुल्लाह को) 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है।'' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को बताया कि आरोपी को हिरासत में रखकर पूछताछ करने की अब और जरूरत नहीं है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का अनुरोध किया, जिसके बाद न्यायाधीश ने यह आदेश जारी किया। खान को सात दिन की ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया था।

कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश, जांच शुरू, छह हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एलपीजी सिलेंडर और अन्य विस्फोटक सामग्री को ट्रैक पर रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश के सिलसिले में सोमवार को दो स्थानीय हिस्ट्रीशीटरों समेत छह लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। कानपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेश कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

सिंह ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है, लेकिन मीडिया से विस्तृत जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि इस खुलासे से जांच प्रभावित हो सकती है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 287 (आग या ज्वलनशील पदार्थ के संबंध में लापरवाही पूर्ण आचरण), 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जीवन, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर में कटौती पर जीएसटी परिषद नवंबर में लेगी फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी परिषद सोमवार को स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर कर की दर को कम करने पर व्यापक रूप से आम सहमति पर पहुंच गयी। इस बारे में अंतिम निर्णय नवंबर की बैठक में होगा।

सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में संवाददाताओं से कहा कि दो मंत्री समूह बनाने का निर्णय किया गया है। इसमें एक जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर विचार करेगा जबकि दूसरा क्षतिपूर्ति उपकर से जुड़े मुद्दों पर गौर करेगा।

मंत्री समूह जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर के आगे की राह के बारे में सुझाव देगा। यह विलासिता और समाज के नजरिये से अहितकर वस्तुओं पर लगाया जाता है।

धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को खेलों का महत्व रेखांकित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार कर सकता है और धर्म के जितने भी साधन हैं वे स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं। मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में 73वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''प्राचीन काल से ही भारत की परंपरा में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को महत्व दिया गया है। भारतीय ऋषि इस बात का उद्घोष करते हैं कि शरीरमाद्यम् खलु धर्म साधनम्, यानी धर्म के जितने भी साधन हैं वे स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं।''

स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद, योगासन, प्राणायाम आदि क्रियाएं अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि देश के हर तबके का व्यक्ति खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता और अन्य खेल प्रतियोगिताओं के साथ जुड़ रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा ''पेरिस में आयोजित पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के जज्बे को पूरा देश और दुनिया देख रही है कि हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने कितना बेहतरीन प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा कि खेल खिलाड़ियों को अपने कार्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ तो जोड़ता ही है, साथ ही साथ जीवन में उतार-चढ़ाव के हर एक मोड़ पर जीतने की भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा ''अगर किन्हीं कारणों से सफलता नहीं मिली तो खेल हर खिलाड़ी के अंदर शालीनता से उसे स्वीकार करने का सामर्थ्य भी पैदा करता है। कई बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करती है। '' मुख्यमंत्री ने पुलिस बल के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा रहा हो या विभिन्न प्रदेशों में कानून व्यवस्था, सुरक्षा का बेहतरीन माहौल बनाने का मुद्दा.., पुलिस अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ करने का प्रयास करती है।

भारत 'जल्द से जल्द' इजराइल-फलस्तीन युद्धविराम का समर्थन करता है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियाद/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गाजा में मौजूदा स्थिति को भारत की ''सबसे बड़ी चिंता'' बताते हुए सोमवार को कहा कि भारत इस क्षेत्र में ''जल्द से जल्द'' संघर्ष विराम का समर्थन करता है।

गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच पिछले 11 महीनों से युद्ध जारी है। जयशंकर ने सऊदी अरब की राजधानी में रणनीतिक वार्ता के लिए पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) मंत्रिस्तरीय बैठक में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''गाजा की वर्तमान स्थिति अब हमारी सबसे बड़ी चिंता है। इस संबंध में भारत का रुख सैद्धांतिक और एक समान रहा है। हम आतंकवाद और बंधक बनाने की घटनाओं की निंदा करते हैं, लेकिन निर्दोष नागरिकों की लगातार हो रही मौतों से हमें गहरा दुख है।'' जयशंकर ने कहा कि किसी भी कार्रवाई में मानवीय कानून के सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम जल्द से जल्द युद्ध विराम का समर्थन करते हैं।''

पिछले साल सात अक्टूबर को गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने इजराइल पर हमला किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य का अपहरण कर लिया गया। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने गाजा में हमले किए, जिससे व्यापक तबाही हुई और लगभग 40,000 लोग मारे गए।

जयशंकर ने कहा कि भारत लगातार दो-राष्ट्र समाधान के माध्यम से फलस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीनी संस्थानों और क्षमताओं के निर्माण में भी योगदान दिया है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''जहां तक मानवीय स्थिति का सवाल है, हमने राहत प्रदान की है तथा संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को अपना सहयोग बढ़ाया है।''

हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ाने की आवश्यकता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि किसी अन्य भारतीय भाषा के साथ प्रतिस्पर्धा किए बिना देश में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ाने की जरूरत है।

राजभाषा पर नवगठित संसदीय समिति को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाई गई नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने पर जोर दिया गया है क्योंकि मातृभाषा में बुनियादी शिक्षा मिलने पर बच्चे कई भाषाओं से जुड़ते हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा, किसी भी भारतीय भाषा के साथ प्रतिस्पर्धा किए बिना, हमें हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिंदी अब एक तरह से रोजगार और तकनीक से जुड़ गई है और भारत सरकार भी आधुनिक तकनीक को हिंदी भाषा के साथ जोड़ने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। शाह ने कहा कि नई शिक्षा नीति में सभी भारतीय भाषाओं को महत्व देने का संकल्प लिया गया है और संसदीय समिति इसे और आगे ले जाएगी।

गृह मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में, मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, संसदीय समिति ने लगातार प्रयास किया है कि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सहेली बने और उसकी किसी से प्रतिस्पर्धा न हो।

उन्होंने कहा, हमें इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी भी स्थानीय भाषा के बोलने वालों के मन में हीनभावना न आए और हिंदी सामान्य रूप से सर्वसम्मति व सहमति से कामकाज की भाषा के रूप में स्वीकृत हो।

क्षमायाचना मैत्रीदिवस से विजयनगर में सम्पन्न हुआ पर्युषण पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में भगवती पर्युषण पर्व का समापन मैत्री दिवस के रूप में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में अर्हम भवन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्यश्री महाश्रमणजी, साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी, मुख्य मुनि महावीरकुमारजी आदि अन्य चारित्र आत्माओं से भाव वंदना के साथ क्षमा याचना की गई। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी का स्वागत किया तथा क्षमायाचना की।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि अहंकार के विसर्जन का पर्व हैं मैत्री पर्व, जो हमें विनय सिखाता है। भूल और गलतियां होना स्वाभाविक है किंतु कभी-कभी उसका कांटा हमारे भीतर रह जाता है यह पर्व उस कांटे को बाहर निकालने का है। कटुता का शस्त्र जब तक बाहर नहीं निकलता है तब तक दुश्मनी का घाव कचोटता रहता है।

आज का यह दिवस वैर-विरोध के इन घावों को निकल बाहर करने का है। क्षमा याचना सिर्फ परंपरा निभाने के लिए नहीं, अंतरात्मा से करें तभी इस पर्व की सार्थकता होगी। साध्वीश्री मलययशाजी ने कहा कि यह आत्म जागरण का पर्व है। मैत्री और रिश्तों को साधने का उत्सव है क्षमा याचना दिवस। साध्वी दीक्षाप्रभाजी ने कहा कि क्षमा याचना पर्व मैत्री का पर्व है आज के दिन हम अपने बुरे अनुभवों को याद करते हुए सच्चे दिल से क्षमा याचना कर अंतर मन की गांठों को खोलने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में युवा गौरव विमल कटारिया, तेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विजयनगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला अध्यक्ष मंजू गादिया, आरआर नगर अध्यक्ष राकेश छाजेड़, अर्हम मित्र मंडल मंत्री विनोद पारख, टीपीएफ उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, आरआरनगर महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटवारी, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, सभा उपाध्यक्ष बाबूलाल बोथरा, ललित सेठिया, सहमंत्री ज्ञानू नाहटा, विमल दक ने क्षमायाचना की। कार्यक्रम का संचालन राकेश दुधोडिया ने किया।

पौधारोपण अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली में पौधारोपण अभियान के तहत आकाश पार्क गार्डन में विधायक महेश तेंगनकाई, पार्षद स्मृति उमामुकुंद, समाजसेवी विनोदकुमार पटवा आदि ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाई।

मायुम स्टार्स की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स की वार्षिक साधारण सभा शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका की अध्यक्षता में आयोजित हुई। राहुल ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष अर्चित बजाज ने लेखा जोखा पेश किया। शाखा कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल एवं सह कोषाध्यक्ष विजय दुदानी ने वर्तमान वित्तीय वर्ष का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष ने आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि सिंघानिया अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष सुशील बंसल, प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी एवं पूर्व अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, ऋषभ सर्राफ, निवर्तमान अध्यक्ष संदीप चनानी आदि ने जानकारी एवं अनुभव साझा किए। मंच का संचालन दीपक बंसल ने किया ।

मुक्ति का द्वार खोलती है क्षमा : विनयमुनि

बेंगलूरु। गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन की निश्रा में गणेश बाग में सामूहिक क्षमा याचना कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में शिवाजीनगर व आसपास के लोग उपस्थित थे। इस मौके पर मुनिश्री ने सभी को क्षमा धर्म का पालन करने का विशेष संबोधन दिया। मुनिश्री ने कहा कि आत्मिक आनंद तभी आ सकेगा, जब हमारे जीवन द्वेष, ईर्ष्या, परनिंदा और जड़ पर राग घटते जाए, गुणों से आत्मा आकर्षित जब तक नहीं होगी। क्षमा यानी समता, धीरज, शांति के भाव रहते हैं। मन के तनाव क्षमा से टूटते है। क्षमा मुक्ति का दरवाजा खोलती है।जिस प्रकार प्रकृति के वातावरण में जब जब गर्मी बढ़ती है तो गर्मी से सोखा गया पानी बरसने के लिए आतुर हो जाता है ठीक उसी प्रकार मानवों में भी द्वेष की उष्णता में क्षमा रुपी जल बेहद लाभकारी है। संघ की तरफ से संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने समस्त संघ से क्षमा मांगी। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने सकल संघ के क्षमायाचना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों में बढ़ोतरी की मांग पर सरकार विचार करेगी: नायडू

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों में बढ़ोतरी के अनुरोधों पर सरकार सक्रियता से विचार करेगी, लेकिन वह भारतीय एयरलाइंस को प्रोत्साहन और देश में वैश्विक विमानन केंद्र को भी विकसित करना चाहती है। नायडू की यह टिप्पणी कुछ विदेशी एयरलाइंस के भारत के लिए अधिक उड़ानें संचालित करने की मंजूरी मांगने के संदर्भ में आई है। नायडू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम द्विपक्षीय उड़ान संबंधों पर सक्रियता से विचार कर रहे हैं। लेकिन हम भारतीय एयरलाइंस को बढ़ावा देना चाहते हैं क्योंकि हम अपने खुद के विमानन केंद्र भी बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों पर निर्णय लेने की कोई समयसीमा नहीं है और वे हवाई अड्डों तक सीमित नहीं होंगे। द्विपक्षीय उड़ान अधिकार दो देशों के बीच में होते हैं जो दोनों तरफ की एयरलाइंस को एक निश्चित संख्या में उड़ानें संचालित करने की अनुमति देते हैं।

'ईवी सब्सिडी के बिना भी लागत को बनाए रख सकते हैं, लेकिन प्रोत्साहन का विरोध नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि लिथियम आयन बैटरी की कीमतों में गिरावट से इलेक्ट्रिक वाहन अब बिना सब्सिडी के भी अपनी लागत बरकरार रख सकते हैं। हालांकि, यह वित्त तथा भारी उद्योग मंत्रालयों को तय करना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए या नहीं।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के वार्षिक सत्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि दो वर्ष के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत पेट्रोल तथा डीजल वाहनों के बराबर हो जाएगी। भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने की दर अपेक्षा के अनुरूप न होने के कारण इसे बढ़ावा देने के लिए अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता पर किए सवाल पर गडकरी ने कहा, '' सबसे पहले, मैं किसी सब्सिडी के खिलाफ नहीं हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।'' अपने विचार स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय लिथियम आयन बैटरी की कीमत 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रति किलोवाट घंटा थी। अब इसकी कीमत कुछ 10.8 से 11 करोड़ प्रति किलोवाट घंटा है। उन्होंने कहा, '' मुझे विश्वास है कि यह 10 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी।''

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण में मात्रा की दृष्टि से वृद्धि देखी गई है। गडकरी ने कहा, '' मेरा आकलन है कि सब्सिडी के बिना आप (ईवी की) उस लागत को बनाए रख सकते हैं, क्योंकि उत्पादन लागत कम है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि दो साल के भीतर पेट्रोल वाहन तथा डीजल वाहन की लागत इलेक्ट्रिक के बराबर हो जाएगी, क्योंकि पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों पर बचत हो रही है।'' इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के मुद्दे पर गडकरी ने कहा कि यदि वित्त मंत्री और भारी उद्योग मंत्री सब्सिडी देना चाहते हैं तो यह मोटर वाहन उद्योग के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा, '' मुझे कोई समस्या नहीं है। मैं इसका विरोध नहीं करूंगा।'' मंत्री ने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि भारत विश्व में नंबर एक मोटर वाहन विनिर्माण केंद्र बन सकता है और कहा कि इस उद्योग का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि हमें भारत को दुनिया में नंबर एक मोटर वाहन विनिर्माण केंद्र बनाना चाहिए।'' प्रौद्योगिकी में उन्नति, किफायती प्रतिभाशाली कार्यबल की उपलब्धता तथा भारतीय मोटर वाहन उद्योग की वैश्विक स्तर पर अच्छी प्रतिष्ठा जैसे कारक इसके पक्ष में काम करते हैं।

एयरटेल फाइनेंस ने शुरू की सावधि जमा सेवा, एनबीएफसी, लघु वित्त बैंकों के साथ की भागीदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारती एयरटेल ने सोमवार को अपनी डिजिटल इकाई एयरटेल फाइनेंस के तहत सावधि जमा मंच शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने इसके लिए प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और लघु वित्त बैंकों के साथ साझेदारी की है।

भारती एयरटेल ने बयान कहा कि यह सावधि जमा 'मार्केटप्लेस' है, जहां मियादी जमा ली जा सकेगी और उसे भुनाया जा सकेगा। एयरटेल फाइनेंस डिजिटल मंच पर एक सुनिश्चित रिटर्न और निश्चित आय निवेश विकल्प उपलब्ध होगा। इसे एयरटेल की 'थैंक्स' ऐप रूपरेखा के तहत लाया गया है। इसमें कहा गया है, ''भारती एयरटेल ने आज अपनी डिजिटल इकाई, एयरटेल फाइनेंस के तहत सावधि जमा 'मार्केटप्लेस' शुरू करने की घोषणा की। इस पर 9.1 प्रतिशत सालाना तक का ब्याज मिलेगा।'' एयरटेल फाइनेंस ने उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, शिवालिक बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और श्रीराम फाइनेंस सहित कई लघु वित्त बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी के माध्यम से सावधि जमा सेवा की पेशकश की है। इससे ग्राहकों को उच्च ब्याज दर पर निश्चित रिटर्न प्राप्त करने में मदद मिलेगी। एयरटेल फाइनेंस के मुख्य कारोबार अधिकारी अंशुल खेतरपाल ने कहा, ''हमने इसके लिए अच्छे बैंकों के साथ साझेदारी की है। इसमें ग्राहकों को पूरी तरह से पारदर्शी और निर्बाध डिजिटल सेवा मिलेगी।''

गोयल ने मोटर वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं से उत्पादन बढ़ाने, आयात कम करने का किया आह्वान

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारतीय मोटर वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं से आयात पर निर्भरता कम करने और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के तरीके तलाशने को कहा, ताकि देश इन उत्पादों का शुद्ध निर्यातक बन सके। मंत्री ने इन कंपनियों से 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखने का भी आग्रह किया।

मोटर वाहन कलपुर्जा उद्योग को संबोधित करते हुए उन्होंने विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निरंतर निर्भरता पर चिंता व्यक्त की तथा घरेलू विनिर्माताओं को स्थानीय उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, '' हमारे कई कलपुर्जा विनिर्माता अब भी दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान और किसी पड़ोसी देश से कच्चे माल की आवश्यकता के कारण आयात करते हैं, मुझे नहीं मालूम कि ऐसा किसी मजबूरी के कारण होता है या स्वेच्छा से..'' गोयल ने कहा कि विशाल भारतीय बाजार और वैश्विक अवसरों के साथ उद्योग वर्ष 2030 तक निर्यात को वर्तमान 21.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचा सकता है।

भारत के पांच साल में एमवे के शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल होने की उम्मीद: चोपड़ा

नई दिल्ली/भाषा। प्रत्यक्ष बिक्री (डायरेक्ट सेलिंग) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एमवे को उम्मीद है कि अगले पांच साल में भारत उसके तीन शीर्ष वैश्विक बाजारों में होगा। एमवे के भारत में प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि कंपनी अगले पांच वर्ष में देश के उसके शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल होने की उम्मीद कर रही है।

कंपनी ने भारत में चार नए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने के लिए 40 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 35 करोड़ रुपए) का निवेश किया है। कंपनी दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पाद विकसित करने पर भी विचार कर रही है। चोपड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि एमवे ने वैश्विक स्तर पर समग्र परिदृश्य और व्यवसाय को बेहद अलग तरीके से देखना शुरू कर दिया है। केवल वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय, यह जीवन में बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। भारत में कंपनी की विस्तार योजना से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा, '' फिलहाल हमारे पास साढ़े पांच लाख सक्रिय वितरक हैं। हमारे पास 20 लाख से अधिक ग्राहक हैं। हमारा लक्ष्य है कि अगले पांच वर्षों में ग्राहक 20 लाख से बढ़कर 50 लाख हो जाएं।'' उन्होंने कहा, '' हम चाहते हैं कि भारत शीर्ष तीन (वैश्विक स्तर पर एमवे के बाजार) में से एक बने। इसके लिए हमें अभी कुछ और काम करना है..''

बुडामेरु में जलस्तर कम हुआ, विजयवाड़ा में बाढ़ का पानी कम होने की उम्मीद : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि विजयवाड़ा में सभी जगहों पर बाढ़ का पानी शाम तक कम होने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि बुडामेरु नाले (छोटी नदी) में जलस्तर कुछ हद तक कम हो गया है।

बंगाल की खाड़ी में दबाव के चलते हुई मूसलाधार बारिश और उफनती बुडामेरु नदी में जलस्तर बढ़ने से विजयवाड़ा के कई इलाकों में बाढ़ आ गई थी। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा करने और कुछ जिलों में बारिश की स्थिति का जायजा लेने के लिए अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस के जरिये बातचीत की। नायडू ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''बुडामेरु में बाढ़ का पानी कुछ हद तक कम हो गया है। आज (सोमवार) शाम तक लगभग सभी जगहें (विजयवाड़ा) जलभराव से मुक्त हो जाएंगी।'' सोमवार सुबह हैदराबाद से विजयवाड़ा लौटे अजीत सिंह नगर के रहने वाले एक व्यक्ति ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इलाके से बाढ़ का पानी कम हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में लोग और वाहन नहीं जा सकते हैं वहां बाढ़ राहत के लिए अधिकारी ड्रोन का इस्तेमाल करें।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जरूरी: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली/भाषा। वाहन उद्योग को विशेष रूप से सेमीकंडक्टर सहित इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने सोमवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि महंगे आयात पर निर्भरता कम करने और उत्पादों को किफायती बनाए रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने यहां वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के 64वें सत्र में कहा कि वाहन उद्योग सुविधा, सुरक्षा और विकसित हो रहे नियमों के पालन करने के चलते एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि आज ग्राहक विशेष सुविधाओं से युक्त तकनीक-संचालित अनुभव चाहते हैं और यह बदलाव वाहनों के भीतर इलेक्ट्रॉनिक्स के इस्तेमाल में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। ताकेउची ने कहा, ''हमारी चुनौती इन नए जमाने की तकनीकों को भारतीय बाजार के लिए किफायती कीमतों पर विकसित करने की है।'' उन्होंने कहा कि मुख्य बात नवाचार में निहित है और गुणवत्ता से समझौता किए बिना उन्नत सुविधाओं को किफायती कीमत पर जोड़ने के तरीके खोजने होंगे।

आप ने हरियाणा चुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के साथ गठबंधन पर असमंजस को खत्म करते हुए सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने का फैसला किया और 20 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी। यह निर्णय आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर बातचीत लंबे समय तक जारी रहने तथा 12 सितंबर को चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि के मद्देनजर लिया गया है। राज्य में मतदान पांच अक्टूबर को होगा। मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे पर आप की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा, ''मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि हम पहले दिन से ही सभी 90 सीट के लिए तैयारी कर रहे हैं। चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। इसलिए अब इंतजार खत्म हुआ।''

भारत घरेलू उद्योगों के अनुरूप विभिन्न देशों के साथ एफटीए में बदलाव कर रहा: प्रसाद

नई दिल्ली/भाषा। भारत घरेलू उद्योगों को लाभ पहुंचाने के लिए दक्षिण कोरिया, मलेशिया और विभिन्न अन्य आसियान देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को संशोधित कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को यहां एसीएमए (वाहन कलपुर्जो विनिर्माता संघ) के 64वें वार्षिक सत्र में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, ''यह (एफटीए) वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए बड़ी भूमिका निभाएगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम दक्षिण कोरिया, मलेशिया और आसियान देशों के साथ अपने एफटीए को संशोधित कर रहे हैं, जो हमारे उद्योग की मांगों के अनुरूप होंगे।'' प्रसाद ने वाहन कलपुर्जा उद्योग से अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में निवेश बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हम अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे हैं। मेरा अनुमान है कि यह निवेश किए जा रहे राजस्व का एक प्रतिशत है। इस दिशा में निवेश बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने निर्यात को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और वृद्धि सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

रक्षा मंत्रालय ने सुखोई-30एमकेआई विमान के इंजन के लिए 26,000 करोड़ रूपए का अनुबंध किया

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की एयरोस्पेस कंपनी 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) के साथ सुखोई-30एमकेआई विमान के लिए 240 एयरो-इंजन की खरीद के वास्ते 26,000 करोड़ रुपए का समझौता सोमवार को किया। एयरो-इंजन का निर्माण एचएएल के कोरापुट डिवीजन द्वारा किया जाएगा। उम्मीद है कि यह सुखोई-30 बेड़े की परिचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए भारतीय वायु सेना की जरूरत को पूरा करेगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को बढ़ावा देते हुए, रक्षा मंत्रालय ने सुखोई-30 एमकेआई विमान के लिए 240 एल-31एफपी एयरो इंजन के वास्ते एचएएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। उसमें कहा गया है कि यह अनुबंध 26 हजार करोड़ रुपए का है। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी की उपस्थिति में मंत्रालय और एचएएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान बलिदान देने के बीआरएस के दावे पर किया कटाक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेतृत्व पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया और कहा कि कुछ लोगों के पास हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति है, हालांकि उनका दावा है कि उन्होंने राज्य के लिए आंदोलन के दौरान बलिदान दिया है। हैदराबाद में भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने पूर्व मंत्री कोंडा लक्ष्मण बापूजी के बलिदान की प्रशंसा की, जिन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन के समर्थन में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था।

बापूजी बुनकर समुदाय से थे।

रेड्डी ने कहा कि बापूजी ने 1969 में विधायक और मंत्री पद छोड़ दिया था और तेलंगाना राज्य का दर्जा मिलने तक कोई पद स्वीकार नहीं करने की कसम खाई थी। तेलंगाना आंदोलन के दौरान बीआरएस नेताओं द्वारा अपने पदों (विधायक और अन्य के रूप में) को छोड़ने का अप्रत्यक्ष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि पदों से इस्तीफा देना, फिर चुनाव थोपना, चयन करना और धन संग्रह करना बलिदान है। तेलंगाना के लोगों ने 2001 से 2014 तक कई बार आपका चुनाव, चयन, धन संग्रह देखा है। उन्होंने कहा, जिन लोगों के पास (अतीत में) रबड़ की चप्पलें भी नहीं थीं, उन्हें अब टीवी, अखबार, फार्म हाउस, बंगले, जुबली हिल्स में महल और गजवेल में सैकड़ों एकड़ के फार्महाउस मिल गए हैं। अगर आपने त्याग किया है, तो कोंडा लक्ष्मण बापूजी के विपरीत, आपको हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति कैसे मिली?

रेल कॉरिडोर-2 और 4, वर्ष 2026 तक होंगे पूर्ण

उपनगरीय रेल परियोजनाओं को लेकर प्रगति समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और कर्नाटक के बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल ने सोमवार को यहां कहा कि कॉरिडोर-2 के अंतर्गत चिक्कबनवारा-बैयप्पनहल्ली (25 किमी) और कॉरिडोर-4 के अंतर्गत हेइलालागी-राजनुकुंटे (46.88 किमी) उपनगरीय रेलवे परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएंगी और सेवा के लिए समर्पित हो जाएंगी। दोनों मंत्रियों द्वारा विधान सौधा समिति कक्ष में अपने विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ के-राइड परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर भूमि अधिग्रहण की समस्या है और अधिकारी तीन महीने के भीतर जमीन सौंपने पर सभी को सहमत करेंगे। इसलिए दोनों मंत्रियों ने सुझाव दिया कि अधिकारियों को काम में देरी के लिए कोई बहाना बताए बिना युद्ध स्तर पर काम करना चाहिए।

वी. सोमन्ना ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले कुल चार कॉरिडोर परियोजनाओं की आधारशिला रखी थी। अब काम में तेजी लाने के लिए कदम उठाए गए हैं और निर्धारित अवधि के भीतर इन दोनों कॉरिडोर परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसके बाद अन्य दो कॉरिडोर परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की जाएगी।

एमबी पाटिल ने कहा कि बेंगलूरु मेट्रो, उपनगरीय रेल परियोजना और रेलवे अधिकारियों को एक दूसरे के साथ समन्वय में काम करने की जरूरत है। एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय, व्यक्ति को वहां सेवा करने दें जहां कोई नहीं है। इस संबंध में बीबीएमपी अधिकारियों सहित समन्वय बैठकें आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने मंत्री सोमन्ना को सलाह दी कि पूरक तरीके से काम करके अनावश्यक देरी से बचा जा सकता है।

रेलवे कोच की समस्या :

के-राइड ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी में रेलवे कोचों के उत्पादन और आपूर्ति के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं, और किसी भी संगठन ने इसमें भाग नहीं लिया है। सोमन्ना ने इस मामले में रेलवे की मदद करने के मंत्री एमबी पाटिल के अनुरोध का जवाब दिया और जल्द से जल्द दिल्ली में एक बैठक आयोजित करने और समस्या का समाधान करने का वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि वह रेल मंत्री की अध्यक्षता में बैठक कर इसका समाधान सुझाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि के राइड के तहत दोनों गलियारों को वर्ष 2026 के अंत तक पूरा करने की योजना है, और रेलवे गाड़ियों की आपूर्ति उससे कम से कम छह महीने पहले होनी चाहिए। अन्यथा तब तक रेलवे यातायात शुरू करना मुश्किल होगा। इस पर सोमन्ना ने मामले की गंभीरता को देखा और तत्काल कार्रवाई करने का वादा किया।

उपनगरीय रेलवे परियोजना का विस्तार

बेंगलूरु को पड़ोसी शहरों/कस्बों से जोड़ने के लिए उपनगरीय रेलवे परियोजना के विस्तार की आवश्यकता है। बेंगलूरु को आसपास के शहरों तुमकुर, मैसूरु, मागड़ी, गौरीबिदनूर और कोलार से जोड़ने की भी चर्चा है। सोमन्ना ने मंत्री पाटिल के अनुरोध पर जवाब दिया कि इसे कैसे किया जाना चाहिए, इसके बारे में अधिकारी स्तर पर पहली बैठकें आयोजित की जाएंगी। बैठक में बेंगलूरु-यलहंका-देवनहल्ली कॉरिडोर-1 उपनगरीय रेलवे परियोजना को चिक्काबल्लापुर के माध्यम से कोलार से जोड़ने के बजाय देवनहल्ली से सीधे जोड़ने की संभावना पर भी चर्चा हुई।

सर्कुलर रेलवे से कनेक्शन

बैठक में उपनगरीय रेलवे परियोजना को बेंगलूरु के आसपास सर्कुलर रेलवे ट्रैक से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा कॉन्सेप्ट है और इससे लोगों को ज्यादा फायदा होगा। बैठक में महसूस किया गया कि रेलवे बोर्ड ने लगभग 21,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 281 किलोमीटर लंबी सर्कुलर रेलवे परियोजना को मंजूरी दे दी है और इसके साथ उपनगरीय ट्रेनों को जोड़ना अधिक उपयुक्त है। इस बैठक में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, नम्मा मेट्रो के प्रबंध निदेशक महेश्वर राव, बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, के-राइड के प्रबंध निदेशक डॉ.एन.मंजुला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुडा मामला : सिद्दरामय्या के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक 12 तक बढ़ी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस याचिका पर सुनवाई 12 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी जिसमें मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उन पर मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद द्वारा दी गयी मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है। अदालत ने इसके साथ ही इस मामले में उनके खिलाफ शिकायतों की सुनवाई करने वाली विशेष जनप्रतिनिधि अदालत को सुनवाई की अगली तारीख तक कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने 19 अगस्त को पहले भी ऐसा अंतरिम आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा, ''चौथे प्रतिवादी (स्नेहमयी कृष्णा) की ओर से उपस्थित वकील लक्ष्मी अयंगर को सुना। सभी प्रतिवादियों ने अपनी दलीलें पेश कर दी हैं। महाधिवक्ता ने भी अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और वरिष्ठ वकील प्रोफेसर रवि वर्मा कुमार के जवाब के लिए इस मामले को 12 सितंबर को दोपहर 12 बजे सूचीबद्ध करें।''

न्यायाधीश ने कहा, ''12 सितंबर को हमें इसे पूरा कर लेना चाहिए।'' राज्यपाल ने 16 अगस्त को प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मंजूरी दे दी थी। 19 अगस्त को सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे, वैधानिक आदेशों का उल्लंघन करते हुए और मंत्रिपरिषद की सलाह (जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है) सहित संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत जारी किया गया था।

अदालत ने दर्शन व अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12 तक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के साथ उनकी महिला मित्र पवित्रा गौड़ा और अन्य की न्यायिक हिरासत की अवधि 12 सितंबर तक बढ़ा दी है। दर्शन और पवित्रा समेत सभी 17 आरोपियों को सोमवार को उनकी न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर राज्य की विभिन्न जेलों से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया।

पुलिस ने पिछले सप्ताह मामले में 3,991 पृष्ठों का प्रारंभिक आरोपपत्र अदालत में सौंपा था। इस बीच, दर्शन ने उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर कर मीडिया संगठनों को आरोपपत्र की कोई भी जानकारी प्रसारित या प्रकाशित करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

दर्शन (47) अभी बल्लारी की जेल में हैं। उन्हें अदालत की अनुमति के बाद यहां परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से बल्लारी जेल स्थानांतरित किया गया था। दर्शन की एक आदतन अपराधी समेत तीन अन्य लोगों के साथ जेल परिसर में एक कुर्सी पर बैठ कर और हाथ में कॉफी का मग लेकर धूम्रपान करने की तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिससे विवाद पैदा होने पर उन्हें बल्लारी जेल भेज दिया गया। एक कथित वीडियो में दर्शन जेल से वीडियो कॉल के जरिए किसी व्यक्ति से बात करते हुए भी दिखायी दिए थे।

अदालत ने इस हत्या मामले में अन्य सह-आरोपियों को भी राज्य में विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी थी। अन्य आरोपी पवन, राघवेंद्र और नंदीश अब मैसुरु जेल में हैं जबकि जगदीश और लक्ष्मण शिवमोग्गा जेल में, धनराज धारवाड़ जेल में, विनय विजयपुरा जेल में, नागराज कलबुर्गी/गुलबर्गा जेल में तथा प्रदोष बेलगावी जेल में हैं।

तीन आरोपी - पवित्रा गौड़ा, अनुकुमार और दीपक यहां परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में ही हैं। चार आरोपियों - रवि, कार्तिक, निखिल और केशवमूर्ति को पहले तुमकुरु जेल में स्थानांतरित किया गया था और वे वहीं हैं। परप्पना अग्रहारा जेल के मुख्य अधीक्षक समेत नौ जेल अधिकारियों को दर्शन को विशेष सुविधाएं'' देने की प्रारंभिक जांच के बाद उनकी ''खामियों'' को लेकर निलंबित कर दिया गया था।

दर्शन के खिलाफ जेल कानून और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत तीन प्राथमिकियां भी दर्ज की गयीं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के 33 वर्षीय प्रशंसक रेणुकास्वामी ने पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे जिससे नाराज होकर दर्शन ने कथित तौर पर उसकी हत्या की साजिश रची। उसका शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के समीप मिला था। चित्रदुर्गा में दर्शन के 'फैन क्लब' में शामिल एक आरोपी राघवेंद्र यहां आर आर नगर में रेणुकास्वामी को अभिनेता से मिलवाने के बहाने लेकर आया था। वहां रेणुकास्वामी को कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गयी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्गा के रहने वाले रेणुकास्वामी की कई चोटों के परिणामस्वरूप खून बहने के कारण मौत हो गयी थी।

एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ सोमवार को आरोपपत्र दाखिल किया। एनआईए ने एक बयान में कहा कि आरोपपत्र में नामजद आरोपियों मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मतीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था और वर्तमान में वे मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

बयान में कहा गया है कि ताहा और शाजिब को उनके आका ने क्रिप्टो करेंसी के जरिए धन मुहैया कराया था। एनआईए की जांच में पता चला है कि आरोपियों ने इस धन का इस्तेमाल बेंगलूरु में हिंसा की विभिन्न घटनाओं को अंजाम देने के लिए किया था। बयान में कहा गया है, ''इनमें 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन, बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय पर विफल आईईडी हमला भी शामिल है, जिसके बाद दो प्रमुख आरोपियों ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट की योजना बनाई थी।''

आरोपपत्र बेंगलूरु की एक विशेष एनआईए अदालत में दाखिल किया गया। इस साल एक मार्च को बेंगलूरु के ब्रुकफील्ड स्थित रामेश्वरम कैफे में हुए आईईडी विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे और होटल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा था। एनआईए ने तीन मार्च को मामले की जांच शुरू की और विभिन्न राज्य पुलिस बलों और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में कई तकनीकी जांच की। जांच से पता चला कि शाजिब ही वह व्यक्ति था, जिसने बम रखा था। एनआईए के बयान में कहा गया है कि शाजिब और ताहा अल-हिंद मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद 2020 से फरार थे। एनआईए द्वारा व्यापक तलाशी के बाद रामेश्वरम कैफे विस्फोट के 42 दिन बाद पश्चिम बंगाल में उनके ठिकाने से उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

जीवन में जीत और असफलता को समान रूप से स्वीकार करें : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। हर किसी को जीवन में संघर्ष की भावना विकसित करनी चाहिए। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि जीत और हार को समान रूप से स्वीकार कर प्रेरणा के रूप में लेना चाहिए। मंत्री ने सोमवार को बेलगाम के कैंप इलाके में सेंट पॉल हाई स्कूल के एडी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और कहा कि इस स्कूल के पुराने छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इस स्कूल का बेलगाम में अच्छा नाम है। जीवन में खेल भावना का विकास करना चाहिए। भले ही मैं लगातार दो चुनाव हार गई, लेकिन लगातार प्रयासों से जीत हासिल की और 7 करोड़ की आबादी वाले कर्नाटक में एकमात्र महिला मंत्री बनीं। जीवन में हार-जीत आम बात है, उन्होंने हम सभी से खेल भावना विकसित करने का आह्वान किया।

मुझे गर्व है कि यह टूर्नामेंट पिछले 56 वर्षों से चल रहा है। साथ ही इस टूर्नामेंट में 26 टीमें हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने इतना अच्छा टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि यह खेल आयोजन सफल होगा। इस मौके पर फादर साइमन फर्नांडीज, पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ. माधव प्रभु, छाबड़िया और निप्पाणिकर परिवार के सदस्य, फरिश मुराकुटे, अमित पाटिला, किरा निप्पाणिकर, आदित्य, समक्षा चाबड़िया, लिनोरिया डिसूजा आदि उपस्थित थे।

यह प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के लिए संघर्ष है : सांसद बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के लिए सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि वास्तविक संघर्ष है। सोमवार को गदग जिले के शिरहट्टी कस्बे में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा, उनकी हालत देखकर मुझे दुख होता है, वे अभी भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं, तब भी हर कोई यह दावा करते हुए प्रतिस्पर्धा कर रहा है कि 'मैं ही सीएम हूं, मैं ही सीएम हूं।' यह स्पष्ट रूप से एक नेता में आत्मविश्वास की कमी को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री को सबसे पहले अपने मंत्रिमंडल को व्यवस्थित करना चाहिए। एक बार ऐसा हो जाने के बाद, शासन स्वाभाविक रूप से अधिक प्रभावी हो जाएगा। एक भी मंत्री विकास पर ध्यान नहीं दे रहा है; वे केवल राजनीति और सत्ता पर कब्जा करने में लगे हुए हैं। राज्य कई मुद्दों का सामना कर रहा है, जिसमें भारी बारिश के कारण किसान संकट में हैं, छात्रों की समस्याएं, नौकरियों के रिक्त पदों को ठीक से नहीं भरा जाना, परीक्षाओं का सुचारू रूप से नहीं होना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वेतन नहीं मिलना और आंगनवाड़ी बच्चों में कुपोषण शामिल हैं। राज्य कई चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन कोई भी मंत्री उन पर ध्यान नहीं दे रहा है। यह केवल मुख्यमंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं है; यह एक वास्तविक संघर्ष है।

विमान में नाबालिग से छेड़छाड़ करने के दोषी को तीन साल की कैद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु की एक विशेष त्वरित अदालत ने दोहा-बेंगलूरु उड़ान में एक नाबालिग से छेड़छाड़ करने के मामले में तमिलनाडु के 51 वर्षीय एक व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए तीन साल कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने अम्मावसाई मुरुगेसन पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह घटना 27 जून 2023 की है। मुरुगेसन ने शराब के नशे में विमान में नाबालिग को अनुचित तरीके से छुआ। नाबालिग की मां ने विरोध दर्ज कराया तो विमान परिचालक ने उनकी सीट बदल दी। विमान के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर नाबालिग के पिता ने पुलिस को मामले की सूचना दी, जिसके आधार पर मुरुगेसन को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा आठ के तहत गिरफ्तार किया गया लेकिन 27 जुलाई 2023 को उसे जमानत मिल गई।

सुनाई के दौरान, पीड़िता ने डिजिटल माध्यम से गवाही दी क्योंकि वह विदेश में है। पिछले सप्ताह, बेंगलूरु ग्रामीण जिले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र विशेष त्वरित अदालत ने मुरुगेसन को पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराया। अदालत के आदेश में कहा गया है कि यदि मुरुगेसन जुर्माना नहीं जमा करता है तो उसे तीन माह अतिरिक्त कैद में रहना पड़ेगा। जुर्माने की आधी राशि यानी 5,000 रुपये पीड़िता को मुआवजे के रुपये में दिए जाएंगे। अदालत ने मुरुगेसन को सजा के खिलाफ अपील करने के लिए जमानत दे दी है, क्योंकि सुनवाई के दौरान उसका व्यवहार सहयोगात्मक रहा और वह सुनवाई में नियमित रूप से उपस्थित हुआ।

प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर बंद कमरे में सुनवाई होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं पर बंद कमरे में सुनवाई करने का सोमवार को फैसला किया। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्न की एकल पीठ ने कहा, 'इस मामले की सुनवाई बंद कमरे में होगी, इसे खुली अदालत में नहीं सुना जा सकता ...ऐसा नहीं होना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर अपमानित किया जाए।'

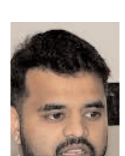

विशेष लोक अभियोजक प्रोफेसर रविवर्मा कुमार के अनुरोध के बाद बंद कमरे में सुनवाई का निर्णय लिया गया है। उन्होंने पहले आग्रह किया था कि पीड़िताओं की पहचान सुरक्षित रखने के लिए मामले की सुनवाई बंद कमरे में की जाए। नवीनतम सुनवाई के दौरान एकल पीठ को बताया गया कि रेवन्ना के खिलाफ विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है तथा उसकी एक प्रति उच्च न्यायालय को सौंप दी गई है। रेवन्ना फिलहाल यहां परप्पना अग्रहारा जेल में न्यायिक हिरासत में है। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) रेवन्ना के खिलाफ चार अलग-अलग मामलों की जांच कर रहा है।

होलेनरसीपुरा थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में रेवन्ना को 31 मई को जर्मनी से बेंगलूरु हवाई अड्डा पहुंचने पर एसआईटी ने गिरफ्तार किया था।

रेवन्ना की जमानत याचिका इसी मामले से संबंधित है, जबकि अग्रिम जमानत याचिका यहां एसआईटी द्वारा दर्ज एक अन्य मामले से जुड़ी है। यौन शोषण के मामले तब प्रकाश में आए जब 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले हासन में पेन-ड्राइव कथित तौर पर वितरित की गईं जिनमें प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो थे। इस संबंध में विभिन्न मामलों के दर्ज होने के बाद जनता दल (एस) ने हासन से पूर्व सांसद रेवन्ना को पार्टी से निलंबित कर दिया था।

'मेक इन इंडिया-मेक फॉर दि वर्ल्ड' का एक चमकता हुआ प्रतीक है आरडब्ल्यूएफ : वी सोमन्ना

केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री ने रेल पहिया कारखाने का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केन्द्रीय रेल राज्य व जलशक्ति मंत्री वी सोमन्ना ने सोमवार को यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाने(आरडब्ल्यूएफ) का दौरा किया तथा संयंत्र के कामकाज और इसकी आगामी परियोजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने फोर्जिंग कॉम्प्लेक्स, एक्सल मशीनिंग यूनिट और व्हील कास्टिंग यूनिट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों से बातचीत की और उनके सुझाव और शिकायतें सुनीं। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री सोमन्ना ने बताया कि रेल व्हील फैक्ट्री भारतीय रेलवे का एक अनूठा एकीकृत संयंत्र है जो एक ही छत के नीचे कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और व्हीलसेट का निर्माण करता है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में कारखाने में 1,96,265 व्हील्स, 83,054 एक्सल और 94,275 व्हीलसेट का रिकॉर्ड उच्चतम उत्पादन हासिल किया है। मंत्री सोमन्ना ने रेल पहिया कारखाने के कार्यों व उत्पाद की समीक्षा करते हुए कहा कि हम (रेलवे) आगामी तीन माह में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

मंत्री ने रेल पहिया कारखाने में कर्मचारियों व अधिकारों के बीच के मैत्रीपूर्ण व्यवहार व सामंजस्य की सराहना करते हुए कहा कि रेल मंत्रालय कारखाने के विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रेलवे एक ऐसा मंत्रालय है जो बिना रुके देश के विकास में निरंतर सहयोग करता रहता है। सोमन्ना ने कहा कि आरडब्ल्यूएफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर दि वर्ल्ड' का एक चमकता हुआ प्रतीक है आरडब्ल्यूएफ ने मोजाम्बिक, सूडान, मलेशिया और अन्य देशों को पहियों और एक्सल का निर्यात किया है। आरडब्ल्यूएफ में उत्पादित पहिए, एक्सल और व्हीलसेट विभिन्न प्रकार के इंजनों और वैगनों की जरूरतों को पूरा करते हैं। उन्होंने आरडब्ल्यूएफ में 'शून्य दोष' विनिर्माण प्रक्रिया की प्रशंसा की जो औद्योगिक स्वचालन के उच्च स्तर का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 2023-24 में आरडब्ल्यूएफ ने पहियों, एक्सल और व्हील सेट के उत्पादन में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। इस मौके पर चिकबल्लापुर के सांसद डॉ सुधाकर, रेल पहिया कारखाने के महाप्रबंधक आर. राजगोपाल सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर आरडब्ल्यूएफ के महाप्रबंधक राजगोपाल ने मंत्री को संयंत्र की क्षमता वृद्धि के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी।

'वोकल फ़ोर लोकल' की थीम पर तैयार हो राजस्थान हाउस : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग और पर्यटन मंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में निर्माणाधीन राजस्थान हाउस का निरीक्षण करके हाउस के निर्माण की कार्य प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की जिसमें इंजीनियरों ने राजस्थान हाउस को लेकर प्रेजेंटेशन दिया कि कहां तक कार्य हो चुका है और आगे क्या कुछ करना है। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चर्चा के दौरान निर्माणाधीन हाउस के पूरे ब्लूप्रिंट को समझते हुए उन्होंने अधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि इस निर्माणाधीन भवन के तैयार होने के बाद जब यहां पर लोग आए, इसके अंदर जब लोग पहुंचे तो आगंतुकों को लगे कि हम राजस्थान आ गए हैं। यहां की सारी व्यवस्थाएं राजस्थानी कल्चर से मेल खाते हुए डेवलप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप लोग एक रिव्यू मीटिंग भी बुलाए और रिव्यू मीटिंग करके हमें जरूरत पड़ेगी तो इसमें जरूरी बदलाव भी किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बनकर तैयार होने वाला यह भवन सिर्फ एक बिल्डिंग मात्र नहीं बल्कि राजस्थान का दर्पण होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए की इस भवन के निर्माण कार्य में लगने वाली हर एक सामग्री में राजस्थानी निर्माण सामग्री को प्राथमिकता दी जाए, चाहे वह राजस्थानी पत्थर हो चाहे वह राजस्थानी पेंटिंग के साथ-साथ राजस्थान के हुनरबंद कारीगरों को भी इसके निर्माण कार्य में प्राथमिकता के साथ स्थान दिया जाना चाहिए ताकि हमारे लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सके और इस भवन के निर्माण में राजस्थानी कला और संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बनने वाले विश्व स्तरीय भवनों में जब राजस्थानी पत्थर का उपयोग हो सकता है तो राजस्थान हाउस के निर्माण में भी राजस्थानी पत्थर का भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने राजस्थान हाउस के निर्माण के दौरान उसमें एक सूचना केंद्र और आगंतुकों और व्यवसायियों को राजस्थान से संबंधित संपूर्ण जानकारी देने के लिए एक बिजनेस सेंटर बनाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि व्यवसायियों और पर्यटकों के लिए राजस्थान सबसे पसंदीदा जगहों में से एक मानी जाती है साथ ही राजस्थान में दुनिया भर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है और हमारी सरकार व्यवसायियों को व्यापारिक सुविधाओं से भरपूर अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ऐसे में दिल्ली में बनने वाले इस राजस्थान हाउस में आगंतुकों को सभी सूचनाएं एक जगह से प्रदान करने और उन्हें राजस्थान की तरफ आकर्षित करने के लिए सूचना केंद्र कम बिजनेस सेंटर बनाया जाना अति आवश्यक है।

उच्च न्यायालय ने लापता युवक के तलाशी अभियान की प्रगति रिपोर्ट मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाहरगढ़ की पहाड़ियों में कथित तौर पर लापता हुए एक युवक की तलाशी के मामले में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सोमवार को नोटिस जारी कर प्रगति रिपोर्ट देने को कहा है। राहुल पाराशर (21) और उसका भाई आशीष (19) एक सितंबर को नाहरगढ़ की पहाड़ियों में स्थित चरण मंदिर में दर्शन के लिए गए थे जहां से वे लापता हो गए। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अगले दिन दो सितंबर को आशीष का शव नाहरगढ़ की पहाड़ियों में मिला। हालांकि, कई दिन के गहन तलाशी अभियान के बावजूद पुलिस अब तक राहुल का पता नहीं लगा पाई है।

युवक के पिता सुरेश पाराशर ने शनिवार को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और राहुल की बरामदगी के संबंध में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। उनके वकील गिर्राज प्रसाद शर्मा ने बताया कि न्यायमूर्ति इंद्रजीत सिंह और न्यायमूर्ति भुवन गोयल की खंडपीठ ने सोमवार को याचिका पर सुनवाई की और डीजीपी तथा राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर प्रगति रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी। इस बीच पुलिस का कहना है कि स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सिविल डिफेंस की टीमों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर वन क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह ने कहा कि इसके अलावा, श्वान दस्तों को लगाया गया और खनन विशेषज्ञों की एक टीम की भी मदद ली गई। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर के जरिए भी अभियान चलाया गया लेकिन राहुल का कोई सुराग नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जंगल के घना होने और झाड़ियों से ढका होने के कारण तलाशी अभियान चलाना मुश्किल था। हालांकि, उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान ने अधिकांश इलाके को कवर कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि मामले की सभी संभावित कोणों से जांच की जा रही है।

'नि-क्षय मित्र बनाएं-टीबी हराएं' अभियान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 'नि-क्षय मित्र बनाएं-टीबी हराएं' अभियान शुरू किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में पोस्टर का विमोचन कर अभियान की शुरूआत की। यह अभियान 9 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2024 तक संचालित किया जाएगा।

श्रीमती राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में विभाग निरंतर जरूरी कदम उठा रहा है। इन प्रयासों से राजस्थान टीबी मुक्त होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने प्रदेश में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत अर्जित उपलब्धियों की सराहना करते हुए इस कार्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों को और व्यापक रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ब्लॉकवार नि-क्षय मित्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर नियमित समीक्षा की जाए। अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित कर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाएं और इस अभियान को सफल बनाएं।

उल्लेखनीय है कि 09 सितम्बर, 2022 को 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' का शुभारम्भ किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु सामाजिक भागीदारी बढ़ाना है।

जनसमुदाय को प्रेरित कर टीबी रोगियों और उनके परिवारों को अधिक पोषण और व्यावसायिक सहायता उपलब्ध कराना और टीबी उन्मूलन अभियान में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि अभियान के तहत टीबी उन्मूलन हेतु जन समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से 10 सितम्बर को ग्राम पंचायतों में सरपंचगण की अध्यक्षता में सामुदायिक बैठक आयोजित की की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य के समस्त सरपंचगण को टीबी रोग के उन्मूलन हेतु आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने, नि-क्षय मित्रों के चयन एवं टीबी रोगियों को सामुदिक सहायता उपलब्ध कराने में सक्रिय योगदान हेतु पत्र भी लिखा है।

राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने बताया कि 09 सितम्बर, 2024 से 02 अक्टूबर तक प्रदेश में 'निक्षय मित्र बनाएं, टीबी हराएं' अभियान के अन्तर्गत नि-क्षय मित्र बनाए जाने हेतु प्रेरित किया जायेगा। ग्राम पंचायत टीबी फोरम की बैठक एवं सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियाजन आयोजित किया जाएगा। टीबी रोग के संभावित लक्षणों वाले रोगियों की जांच की जाएगी एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सात आईएएस को अतिरिक्त प्रभार सौंपा

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सात अधिकारियों को अन्य विभागों के अतिरिक्त प्रभार सौंपे हैं। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में इसकी जानकारी दी गयी है। आदेश के अनुसार पर्यटन विभाग के सचिव रवि जैन के पास आमेर विकास व प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। इसी तरह आयोजना विभाग में विशेष सचिव अनुपमा जोरवाल को विशेष सचिव सांख्यिकी विभाग का, गृह विभाग में विशेष सचिव केएल स्वामी को आयुक्त (नागरिक सुरक्षा विभाग), राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना निदेशक शाहीन अली खान को निदेशक (चिकित्सा-आईईसी), स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र वर्मा को निदेशक (अल्पसंख्यक मामलात) तथा बीकानेर की संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी को आयुक्त (उपनिवेशन विभाग) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमित यादव को भरतपुर के जिला कलेक्टर के साथ डीग जिला कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ई-मित्र संचालक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सोमवार को कोटा जिले के चेचट में एक ई-मित्र कियोस्क संचालक को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने यह कथित रिश्वत हल्के के पटवारी के लिए ली थी। ब्यूरो ने इसकी जानकारी दी।

ब्यूरो ने यहां जारी एक बयान में बताया कि चेचट में ई-मित्र संचालक हरीश मंडोत को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। परिवादी की ओर से शिकायत दी गई कि उसकी बहन के मकान की गिफ्ट डीड की रजिस्ट्री करवाने की एवज में तहसीलदार (चेचट) के लिये आरोपी हरीश मण्डोत द्वारा सात हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

अरावली की पहाड़ियों में 20 गिद्ध देखे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। मिस्र और भारतीय प्रजाति के गिद्धों के लिए प्रसिद्ध अरावली की बयाना पहाड़ियों में विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ने लगभग 20 गिद्ध देखे हैं। पक्षी की यह प्रजाति विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही है। परियोजना के सदस्यों द्वारा देखे गए गिद्धों में 'व्हाइट-रम्प्ड' या 'बंगालेंसिस' गिद्ध भी शामिल हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने इस साल 31 अगस्त को गिद्धों की गिनती की पहल शुरू की थी, जो एक राष्ट्रव्यापी नागरिक-विज्ञान पहल है जिसे देश में गिद्धों की तेजी से घटती संख्याकी निगरानी और संरक्षण के लिए तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम 'बर्ड काउंट इंडिया' के सहयोग से चलाया जा रहा है। चूहों और सांपों का सफाया करके गिद्ध पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में योगदान देते हैं। भारतीय गिद्ध भूरे रंग के शरीर, काले पंख और पीले रंग की चोंच के लिए जाने जाते हैं। भोजन की उपलब्धता में कमी, घोंसले के स्थानों के नष्ट होने और खाई के नजदीक हलचल की वजह से इन्हें देखना दुर्लभ हो गया है। पिछले तीन वर्षों से बयाना अरावली पहाड़ में इन पक्षियों का अध्ययन कर रहे एक स्थानीय संरक्षणकर्ता के अनुसार यह क्षेत्र मिस्र और भारतीय गिद्धों के लिए जाना जाता है तथा सर्दियों में हिमालयी गिद्धों के भी देखे जाने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में गिद्धों का प्रजनन का समय अक्टूबर में शुरू होता है तथा जोड़ा बनाने की गतिविधियां नवंबर में होती हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के परियोजना अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने बताया, ''प्रत्येक जोड़ा आमतौर पर इस अवधि के दौरान केवल एक अंडा ही देता है।''

संरक्षणकर्ता ने बताया कि गिद्धों को यहां वर्षों से देखा जा रहा है, ज्यादातर सूर्योदय और सूर्यास्त के समय। उन्होंने बताया कि गिद्धों की गिनती सूर्योदय के समय की जाती है, क्योंकि कुछ गिद्ध भोजन के लिए आस-पास के क्षेत्रों में चले जाते हैं तथा कई दिनों तक वापस नहीं आते।

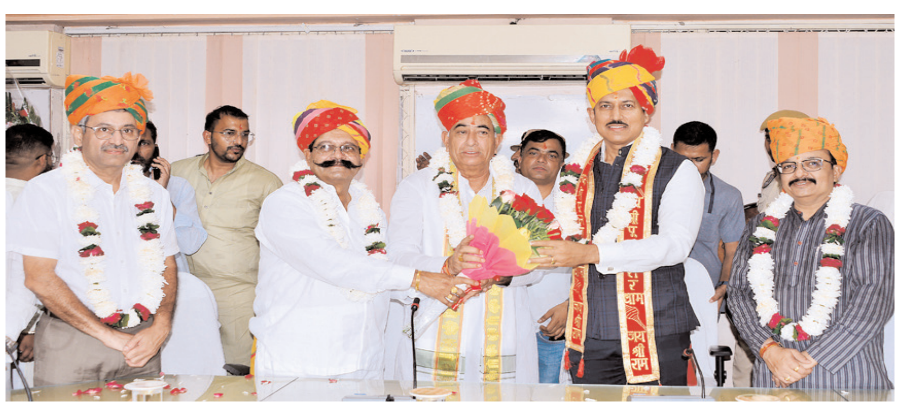

उदयपुर में दिखी दुर्लभ 'एनोमालूस नवाब' तितली

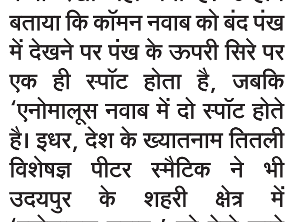

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। नैसर्गिक सौंदर्य से लकदक समृद्ध जैव विविधता वाले मेवाड़-वागड़ अंचल में दुर्लभ कीट-पतंगों, वन्यजीवों एवं वनस्पति के देखे जाने का सिलसिला जारी है। इसी श्रृंखला में रविवार को शहर के सेक्टर 14 में एक दुर्लभ तितली 'एनोमालूस नवाब' दिखाई दी है। प्रदेश के तितली विशेषज्ञ मुकेश पंवार ने बताया कि सेक्टर 14 में पर्यावरणीय विषयों की जानकार और तितलियों पर शोध कर रही नेहा मनोहर ने अपने गार्डन में इस तितली को देखा है। उन्होंने बताया कि यह तितली अपने गार्डन में अंजीर के फल से रस पीती हुई देखी और इसका फोटो क्लिक किया। उन्होंने बताया कि इसका वैज्ञानिक नाम चरैक्स एग्रेरियस है और खुले पंखों में इसका आकार 9-10 सेमी होता है। यह तितली आमतौर पर खेर के पेड़ पर अपनी लाईफ साइकिल पूरा करती है और पके फलों का रस पीना पसंद करती है। जंगल इन्हें ज्यादा पसंद है परंतु शहरी क्षेत्र में इसका दिखाई देना दुर्लभ है।

उन्होंने बताया कि विश्व में पहली बार इसकी लाइफ साइकल सागवाड़ा से उन्होंने ही की थी। उन्होंने बताया कि आमतौर पर राजस्थान में इसे कॉमन नवाब ही समझा जाता रहा है, पुराने रिसर्च पेपर्स में 'एनोमालूस नवाब का उल्लेख नहीं मिलता है। राजस्थान में हमेशा ही 'एनोमालूस नवाब ही मिला है, कोमल नवाब राजस्थान में कभी देखा नहीं गया है। उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट होता है, जबकि 'एनोमालूस नवाब में दो स्पॉट होते है। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मैटिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में 'एनोमालूस नवाब ' को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांश वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली एनोमालूस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वन क्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

'प्रखर राजस्थान रीडिंग अभियान' का शिक्षा मंत्री ने कनवाड़ी गांव से किया शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ''प्रखर राजस्थान रीडिंग अभियान'' का शुभारम्भ सोमवार को शिक्षा मंत्री (प्राथमिक एवं माध्यमिक), संस्कृत शिक्षा, पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार मदन दिलावर द्वारा झालावाड़ जिले के कनवाड़ी ग्राम के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से किया गया।

''प्रखर राजस्थान रीडिंग अभियान'' के शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि प्रदेश के बच्चों को किताबों को प्रवाह से पढ़ना सिखाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 9 सितम्बर से आगामी 2 अक्टूबर तक ''प्रखर राजस्थान रीडिंग अभियान'' चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत प्रदेश के 65 हजार विद्यालयों के लगभग 80 लाख बच्चों को किताबों की रीडिंग करवाई जाएगी। इससे विद्यार्थियों में आनन्द और आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निजी विद्यालयों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों में शिक्षा का स्तर तो बढ़ा ही है, बल्कि बच्चों को अच्छे संस्कार और ज्ञान का बोध भी करवाया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत 2 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके अन्तर्गत हिन्दी दिवस मनाया जाएगा एवं स्थानीय भाषा में कविता एवं कहानी सुनाने सहित निपुण मेले आदि का आयोजन होगा। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं से कहा कि बच्चों को व्याकरण का अच्छे से अच्छा ज्ञान दें ताकि उनको धारा प्रवाह में सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा नवाचार है जिसका शिक्षा के क्षेत्र में अद्भुत परिणाम देखने को मिलेगा।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस अभियान के मुख्य उद्देश्य कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों में पठन कौशल का विकास करना, पठन कौशल के माध्यम से अवधारणाओं पर समझ विकसित करना, पठन कौशल, पठन में प्रवाहशीलता एवं अवधारणाओं की समझ हेतु प्रेरक एवं अनुकूल वातावरण का निर्माण करना, पठन कौशल हेतु उपलब्ध पुस्तकों, संसाधनों के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित कर पठन अभ्यास के नियमित अवसर उपलब्ध करना तथा स्थानीय भाषा में रोचक कहानियां, गीत-कविता इत्यादि को कक्षा-कक्षीय गतिविधियों में शामिल करने के अवसर प्रदान करना है।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के उपनिदेशक नादान सिंह गुर्जर ने 9 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे प्रखर राजस्थान रीडिंग अभियान के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पुस्तकालय दिवस एवं हिन्दी दिवस मनाए जाएंगे। वहीं विद्यालयों में कविता व कहानी सुनाने की गतिविधियां, डिजिटल आईसीटी आधारित कहानी व कविता पढ़ने का दिवस, समुदाय में स्थानीय भाषा में गायन दिवस तथा समुदाय के साथ निपुण मेले का आयोजन किया जाएगा।

नर्सिंग के छात्र का धड़ राजस्थान में रेल पटरी पर मिला

कोटा। कोटा के उद्योग नगर इलाके में रेल पटरी पर रविवार को 23 वर्षीय एक नर्सिंग छात्र का धड़ पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उसकी जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर युवक की पहचान यहां स्थित इटावा के करवाड़ गांव निवासी अजय महावर के रूप में हुई।

वह बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस उपाधीक्षक योगेश शर्मा ने बताया कि वह ट्रेन के नीचे आ गया और उसका सिर धड़ से अलग हो गया। उन्होंने बताया कि महावर शनिवार सुबह किसी काम के सिलसिले में कोटा स्थित अपने कॉलेज के लिए घर से निकला था। शर्मा ने बताया कि अभी पता नहीं चल पाया है कि यह आत्महत्या थी, या दुर्घटना। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से कोई 'सुसाइड नोट' बरामद नहीं हुआ है।

राज्यवर्धन राठौड़ ने विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड कार्यालय का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को जयपुर स्थित आरएसएलडीसी मुख्यालय परिसर में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड कार्यालय का लोकार्पण किया। राठौड़ ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्ध करने में कुशल युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है, इसलिए राज्य सरकार प्रदेश के कारीङ्गगरों, शिल्पकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के माध्यम से कारीगरों और शिल्पकारों की क्षमता संवर्धन कर उन्हें सशक्त और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड के अधिकारियों से अपेक्षा है कि कौशल विकास के कार्यक्रमों का निरंतर मूल्यांकन कर उसमें सुधार करते रहें, ताकि अन्तरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप वर्क फोर्स तैयार हो। इससे राज्य के औद्योगिक विकास में भी उनकी अहम भूमिका सिद्ध होगी।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना,कौशल निर्माण, सुदृढ़ विद्युत आपूर्ति से औद्योगिक विकास का सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। इससे युवाओं को न केवल रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं, बल्कि वे स्वयं उद्यमी बन रोजगार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री ने इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर सभी से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया।

भारत-अमेरिका की सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू

जयपुर। भारत और अमेरिका की सेनाओं का संयुक्त युद्ध अभ्यास सोमवार को राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। एक सैन्य प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। सैन्य प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने यहां एक बयान में बताया कि भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य युद्ध अभ्यास का 20वां संस्करण आज राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। यह अभ्यास 22 सितंबर तक चलेगा। भारत और अमेरिका की सेनाओं द्वारा इस युद्धाभ्यास का आयोजन 2004 से हर साल किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह संस्करण सैन्य शक्ति और उपकरणों के संदर्भ में संयुक्त अभ्यास के दायरे और सामर्थ्य में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का प्रतीक है। 600 सैनिकों की भारतीय सैन्य टुकड़ी का प्रतिनिधित्व राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य हथियारों और सैन्य सेवाओं के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। युद्धाभ्यास में इतने ही अमेरिकी सैनिक भाग ले रहे हैं। उनकी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिकी सेना के अलास्का स्थित 11वें एयरबोर्न डिवीजन की 1-24 बटालियन के सैनिक करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबू धाबी के युवराज से की वार्ता

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अबू धाबी के वली अहद (युवराज) शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ व्यापक वार्ता की और दोनों देशों के बीच समग्र रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। नाहयान अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के तहत रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, ''एक करीबी दोस्त का गर्मजोशी से स्वागत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की अगवानी की।'' उन्होंने कहा, ''भारत-संयुक्त अरब अमीरात द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आयाम और सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों पर चर्चा होनी है।''

पुलिस किसी की जाति देखकर कार्रवाई नहीं करती : पुलिस महानिदेशक

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में लूट के एक मामले के आरोपी मंगेश यादव की पुलिस से मुठभेड़ में मौत पर विपक्ष के आरोपों के बीच उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने इससे इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि पुलिस किसी की जाति देखकर कार्रवाई नहीं करती। समाजवादी पार्टी (सपा) ने आरोप लगाया है कि पुलिस जाति देखकर अपराधियों को मुठभेड़ में निशाना बना रही है। कुमार ने 73वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर2024 के उद्घाटन समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में सपा के इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''इस तरह की चीजें पुलिस नहीं करती।'' उन्होंने मुठभेड़ के दौरान की स्थितियों की तरफ इशारा करते हुए कहा, ''इस तरह की सारी बातों (आरोपों) का मैं खंडन करता हूं। पुलिस पूरी तरह निष्पक्ष होकर कार्रवाई करती है।''

सुलतानपुर जिले में पिछले महीने एक सर्राफा व्यवसाई की दुकान में डकैती के मामले में आरोपी एक लाख रुपए का इनामी बदमाश मंगेश यादव पिछले बृहस्पतिवार तड़के राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। सपा ने इसे जाति देखकर की गयी फर्जी मुठभेड़ करार दिया था। कानपुर में रेलवे ट्रैक पर रसोई गैस सिलिंडर पाए जाने के बारे में पुलिस महानिदेशक ने कहा, '' वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है। मामले की गंभीरतापूर्वक पड़ताल की जा रही है।'' आतंकवाद रोधी दस्ते के भी मौके पर पहुंचने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कुमार ने कहा, ''हम सभी पहलुओं को देखेंगे और बिना पूरी जांचपड़ताल किये इस पर कुछ भी कहना अभी संभव नहीं है।''

रांची से 13 वर्षीय लड़की को लखनऊ ले जाकर ट्रक चालक ने किया दुष्कर्म

रांची/भाषा। रांची से 13 वर्षीय एक लड़की को कथित तौर पर ट्रक से लखनऊ ले जाया गया और रास्ते में ट्रक चालक ने कई बार उससे दुष्कर्म किया तथा बाद में उसे सड़क किनारे छोड़ दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार को रांची के तमार थाने में मामला दर्ज किए जाने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। लड़की के परिजनों ने बताया कि वह 16 अगस्त को स्कूल से वापस नहीं लौटी, जिसके बाद उन्होंने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। तमार थाने के प्रभारी रोशन कुमार के अनुसार, लड़की ने जांचकर्ताओं को बताया कि 16 अगस्त को उसका एक परिचित युवक उसे बुंडू बस स्टैंड लेकर गया और बाद में उसे एक अन्य युवक पटना ले गया, जिसे वह जानती थी।

थाना प्रभारी ने लड़की के बयान का हवाला देते हुए कहा, ''दूसरे युवक ने उसे पटना में एक ट्रक चालक के पास छोड़ दिया और भाग गया। ट्रक चालक ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे लखनऊ में सड़क किनारे छोड़ दिया।'' उन्होंने कहा, ''हमने रविवार को दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उसके बयान में कई कड़ियां गायब हैं। हम विभिन्न तरीकों से उन्हें जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि दुष्कर्म और मानव तस्करी के अलावा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पिछले एक दशक में जमीनी स्तर के अनगिनत नायकों को 'पीपुल्स पद्म' से सम्मानित किया गयाः मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पिछले एक दशक में जमीनी स्तर के अनगिनत नायकों को 'पीपुल्स पद्म' (लोगों के पद्म) से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अधिक लोगों से पुरस्कारों के लिए प्रेरक हस्तियों को नामित करने का आग्रह किया।

मोदी ने कहा कि पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा ने अनगिनत लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले एक दशक में, हमने पीपुल्स पद्म के साथ अनगिनत जमीनी स्तर के नायकों को सम्मानित किया है। पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा ने अनगिनत लोगों को प्रेरित किया है। उनके शानदार काम में उनका धैर्य और दृढ़ता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।'' उन्होंने कहा, ''प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाने की

भावना में, हमारी सरकार लोगों को विभिन्न पद्म पुरस्कारों के लिए दूसरों को नामित करने के लिए आमंत्रित कर रही है।''

मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कई नामांकन आए हैं। उन्होंने कहा, ''नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि इस महीने की 15 तारीख है। मैं अधिक लोगों से पद्म पुरस्कारों के लिए प्रेरक हस्तियों को नामित करने का आग्रह करता हूं।'' प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही संबंधित ऑनलाइन पोर्टल का लिंक भी साझा किया।

पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है।

पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

बिहार में दरोगा, एसपी, कलेक्टर और न्यायाधीश सभी शराब का आनंद ले रहे हैं : मांझी

पटना/भाषा। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा लागू किये पूर्ण शराबबंदी पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुये केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सोमवार को दावा किया कि प्रदेश में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी और यहां तक कि जज भी शराब का सेवन कर रहे हैं। प्रदेश में लागू शराबबंदी पर उनकी ओर से प्रश्न उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके मांझी ने सोमवार को जमुई में पत्रकारों से कहा कि वह शराबबंदी को लेकर सरकार पर निशाना नहीं साध रहे हैं बल्कि सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हम नीतीश कुमार के मित्र, उनके साथी हैं, इसलिए कहना चाहते हैं कि जो बात गलत है, उसका परिमार्जन कीजिए।'' उन्होंने कहा, ''मेरे कहने पर तीन-तीन बार परिमार्जन (प्रदेश के शराब कानून में संशोधन) किया, उसके लिए धन्यवाद है, लेकिन पूर्ण परिमार्जन नहीं किया गया।'' मांझी ने कहा, ''मैंने कहा था कि शराब नहीं पीने वाले को नहीं पकड़ा जाएगा, लेकिन आज क्या हो रहा है, उनको पकड़ रहे हैं।''

असम में एक सप्ताह में 13 लाख लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के पहले सप्ताह के भीतर राज्य में लगभग 13 लाख लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की। शर्मा ने कहा कि भाजपा की प्रदेश इकाई पिछले साल (18 लाख सदस्य) के मुकाबले अधिक सदस्यों के पार्टी से जुड़ने की उम्मीद कर रही है।

गुवाहाटी में प्रदेश भाजपा मुख्यालय में शर्मा ने कहा, राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। सदस्यता का नवीनीकरण तो कराया ही जा रहा है, साथ ही नये पंजीकरण भी हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि दो सितंबर को अभियान की शुरुआत के बाद से सोमवार पूर्वा तक 12.90 लाख सदस्यों ने अपना पंजीकरण कराया है, जिनमें नये सदस्य भी शामिल हैं। शर्मा ने कहा, सात दिन के भीतर हमारे लगभग 13 लाख सदस्य हो गए हैं और हम इस मामले में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हैं। यह अभियान 25 सितंबर तक जारी

रहेगा और मैं लोगों से एक विशिष्ट नंबर पर मिस कॉल देकर खुद को भाजपा के सदस्य के रूप में पंजीकृत कराने का आग्रह करता हूं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने पार्टी कार्यालय में गुवाहाटी में सदस्यता अभियान की प्रगति पर चर्चा की। पिछले साल 18 लाख सदस्यों ने पंजीकरण कराया था और पार्टी को इस बार राज्य में अपने सदस्यों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा, अगर हमारे पास समय होगा, तो हम सदस्यों को जोड़ने के लिए फॉर्म का भी इस्तेमाल करेंगे। जिन गांवों में इंटरनेट नहीं है, वहां हम फॉर्म को व्यक्तिगत रूप से भरवाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने तीन सितंबर को गुवाहाटी में पार्टी मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाया था।

आरजी कर प्रदर्शन : तृणमूल के सामने अभूतपूर्व चुनौती, हालात ने नई राजनीतिक ताकत की गुंजाइश पैदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या मामले ने पश्चिम बंगाल में व्यापक जन आक्रोश पैदा कर दिया है जिससे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया और यह 2011 में सत्ता संभालने के बाद से अब तक ममता बनर्जी के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों और नेताओं का मानना है कि इस घटना के बाद निरंतर जन आंदोलन ने पश्चिम बंगाल में आम नागरिकों, छात्रों और पेशेवरों के नेतृत्व में एक नए राजनीतिक दल के लिए उर्वर जमीन तैयार की है, जिनका सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से मोहभंग हो चुका है।

राजनीतिक विशेषज्ञ मैदुल इस्लाम ने कहा, ''इस आंदोलन की ताकत पारंपरिक राजनीतिक बैनर से इसकी आजादी में है जो न्याय, पारदर्शिता तथा प्रभावी शासन के लिए उसकी व्यापक मांग को दर्शाता है। इसने मौजूदा विपक्षी दलों में नेतृत्व के अभाव को उजागर कर दिया है, जिसे जवाबदेही के लिए प्रदर्शनकारियों के आह्वान के साथ जुड़कर एक नई पार्टी संभावित रूप से पूरा कर सकती है।''

कोलकाता के सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक से उस वक्त कथित तौर पर दुष्कर्म और उसकी हत्या की गयी जब वह ड्यूटी पर थी। उसका शव नौ अगस्त को मिला था। इसके अगले दिन कोलकाता पुलिस ने एक स्वयंसेवी को गिरफ्तार किया था। इस घटना को लेकर जन आक्रोश इतना ज्यादा था कि हजारों चिकित्सा पेशेवर, छात्र, कार्यकर्ता और आम नागरिक कोलकाता तथा अन्य शहरों की सड़कों पर उतर गए थे। तृणमूल ने शुरुआत में इस मामले में धीमी प्रतिक्रिया दी और विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उसकी इस मामले को संभालने में नाकामी के लिए व्यापक आलोचना की गयी।

मुख्यमंत्री की सार्वजनिक निंदा और त्वरित न्याय के वादे जनता के गुस्से को शांत करने या अपने नागरिकों की रक्षा करने में उनके प्रशासन की क्षमता में विश्वास बहाल करने में विफल रहे।

इंजीनियर रशीद की पार्टी भाजपा का 'छद्म' संगठन : महबूबा

अनंतनाग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जेल में बंद शेख अब्दुल रशीद की 'अवामी इत्तेहाद पार्टी' (एआईपी) पर भाजपा की 'छद्म' पार्टी होने का सोमवार को आरोप लगाया और चेतावनी दी कि जम्मू कश्मीर ऐसे दलों के प्रभाव में नहीं आएगा।

शोपियां के बालपोरा इलाके में, एआईपी के कार्यकर्ताओं के कथित हमले में दक्षिण कश्मीर की शोपियां विधानसभा सीट से पीडीपी उम्मीदवार यावर शफी बंदे के घायल होने के एक दिन बाद रशीद ने यह टिप्पणी की। रशीद को इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है। महबूबा ने अनंतनाग जिले के खानाबल इलाके में संवाददाताओं से कहा, ''हमारे उम्मीदवार अपने क्षेत्र में जा रहे थे, तभी एआईपी के कुछ कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। यहां तक कि हमारे उम्मीदवार यावर बंदे को पीटा गया और वह जिंदगी के लिए जूझ रहे हैं। उनकी पसलियां टूट गई हैं और उनकी हालत गंभीर है।'' रशीद ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट पर हराया था। महबूबा ने कहा, रशीद जेल में हैं। (पीडीपी संस्थापक) मुफ्ती (मोहम्मद सईद) को पार्टी खड़ी करने में 50 साल लग गए। हर सीट पर उम्मीदवार उतारने के लिए हमारे पास अब भी संसाधन नहीं हैं।

मणिपुर : ड्रोन, मिसाइल हमलों के खिलाफ मुख्यमंत्री सचिवालय, राजभवन के बाहर छात्रों का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर इंफाल में स्कूल-कॉलेज के हजारों छात्रों ने सोमवार को राज्य सचिवालय और राजभवन के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने राज्य की क्षेत्रीय और प्रशासनिक अखंडता की रक्षा करने की भी मांग की। मणिपुर में हाल के दिनों में ड्रोन से विस्फोटक गिराए जाने और मिसाइल दागे जाने सहित अन्य हिंसक घटनाओं में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग घायल हो गए।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने प्राधिकारियों के स्थिति से निपटने में कथित तौर पर नाकाम रहने को लेकर निराशा व्यक्त की। उन्होंने 'मणिपुर जिंदाबाद', 'सभी अक्षम विधायक इस्तीफा दें' और 'राज्य सरकार को एकीकृत कमान सौंपें' जैसे नारे लगाए। बाद में छात्रों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और राज्यपाल एल आचार्य से मुलाकात की। आचार्य से मिलने वाले छात्र प्रतिनिधियों ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने हिंसा पर काबू पाने में कथित नाकामी के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार को पद से हटाए जाने समेत छह मांगें रखी हैं। छात्रों ने एकीकृत कमान का नेतृत्व केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक (डीजी) कुलदीप सिंह से लेकर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के हाथों में सौंपने का आह्वान भी किया है। एकीकृत कमान राज्य में सुरक्षा अभियानों की देखरेख करती है और इसमें विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं।

न्यायालय में सुनवाई के दौरान बेनकाब हुआ ममता बनर्जी का 'विद्रूप चेहरा': भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि कोलकाता में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय में उनका 'विद्रूप चेहरा' बेनकाब हो गया।

उच्चतम न्यायालय ने दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना के इस मामले में पोस्टमार्टम के लिए जरूरी एक अहम दस्तावेज नहीं होने पर चिंता जताई और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से इसकी जांच करने को कहा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'चालान' के इस्तेमाल का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने सीबीआई और पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा। पीठ ने कहा, ''जब शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सौंपा गया था तो इसका चालान कहां है?''

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने तीखी टिप्पणी की है... ममता बनर्जी का विद्रूप चेहरा बेनकाब किया है... सीजेआई (प्रधान न्यायाधीश) ने पूछा कि पोस्टमॉर्टम चालान रिकॉर्ड से क्यों गायब है।'' भाटिया ने बनर्जी को 'झूठी' करार दिया और आरोप लगाया कि उनके इशारे पर मामले में सबूत नष्ट किए गए। भाजपा प्रवक्ता ने आश्चर्य जताया कि क्या उक्त पोस्टमॉर्टम चालान को केस रिकॉर्ड का हिस्सा इसलिए नहीं बनाया गया कि इससे डॉ. संदीप घोष और कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को बचाने के मुख्यमंत्री के प्रयास का पर्दाफाश हो सकता था।

'अरबपति कर' के प्रस्ताव पर भारत सरकार का क्या रुख हैः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने ब्राजील में होने वाले अगले जी 20 शिखर सम्मेलन में अरबपति कर की व्यवस्था से जुड़े प्रस्ताव का हवाला देते हुए सोमवार को सवाल किया कि भारत का इस पर क्या रुख रहने वाला है ? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भारत सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है जबकि यह भारत के लिए प्रासंगिक है क्योंकि एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 334 लोगों की संपत्ति एक अरब डॉलर से अधिक है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज से ठीक एक साल पहले, जी 20 का वार्षिक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में शुरू हुआ था। जी 20 की अध्यक्षता हर साल अपने सदस्य देशों के बीच बदलती रहती है। अब से दो महीने बाद अगला जी20 शिखर सम्मेलन ब्राजील में होगा, जिसने नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की तरह प्रचार और ख़ुद का महिमामंडन नहीं करने का फ़ैसला किया है। उन्होंने दावा

किया, एक साल में कितना कुछ बदल गया है । सितंबर 2023 में प्रधानमंत्री आसमान में उड़ रहे थे लेकिन अभी वह 4 जून 2024 की अपनी राजनीतिक, व्यक्तिगत और नैतिक हार से उबरने में लगे हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि ब्राजील ने नवंबर में होने जा रहे जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए 'अरबपति कर' का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव के अनुसार, जिन भी लोगों की संपत्ति एक अरब डॉलर (करीब 8300 करोड़ रुपए) से अधिक है, उनसे उसका 2 प्रतिशत सालाना कर लिया जाए। इस प्रस्ताव का फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी पहले ही समर्थन कर चुके हैं। रमेश ने दावा किया कि भारत इस प्रस्ताव पर स्पष्ट रूप से चुप रहा है। उन्होंने सवाल किया, जब इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी तब हमारे देश का रुख क्या होगा?

'जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल किया जाएगा, भले ही इसमें सालों लग जाएं'

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग जम्मू-कश्मीर के लोगों की आवाज है और पूर्ववर्ती राज्य के विशेष प्रावधान को निश्चित रूप से बहाल किया जाएगा, भले ही इसमें कई साल लग जाएं।

अब्दुल्ला की इस टिप्पणी से एक दिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक अनुच्छेद 370 को बहाल करना असंभव है। अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्हें (भाजपा को) इसे रद्द करने में कितने साल लगे? हमें इसे बहाल करने में कई साल लग सकते हैं, लेकिन हम इसे बहाल करेंगे। यह पूरे जम्मू-कश्मीर की आवाज है, यह लोगों की आवाज है।'' अब्दुल्ला ने जम्मू क्षेत्र में हाल में हुए आतंकवादी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का मूल कारण अनुच्छेद 370 है, लेकिन इसे रद्द किए जाने के बाद भी हमले हो रहे हैं।

मणिपुर में प्रधानमंत्री की विफलता अक्षम्य, मुख्यमंत्री को बर्खास्त किया जाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह दावा भी किया कि मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी की विफलता अक्षम्य है।

इंफाल वेस्ट जिले के कौत्रुक गांव में रिमोट नियंत्रित ड्रोन का इस्तेमाल करके गत एक सितंबर को हमला किया गया था जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी तथा नौ अन्य घायल हो गए थे। इससे अगले दिन करीब तीन किलोमीटर दूर सेंजाम चिरांग में फिर से ड्रोन का इस्तेमाल किया गया और इस हमले में तीन लोग घायल हुए। इस बीच, शनिवार

रात को जिरिबाम में शनिवार को हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई थी। खरगे ने इन घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी की घोर विफलता अक्षम्य है। मणिपुर की पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उइके जी ने मणिपुर के लोगों की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि संघर्षग्रस्त राज्य के लोग परेशान और दुखी हैं, वे चाहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे मिलने आएं।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' पिछले 16 महीनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मणिपुर में एक सेकंड भी नहीं बिताया, जबकि राज्य में हिंसा बेरोकटोक जारी है और लोग मोदी-शाह की संलिप्तता का परिणाम भुगत रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री की तरह केंद्रीय गृह मंत्री ने भी मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ दी है और चुनाव वाले राज्यों में राजनीति करने और रैलियों को संबोधित करने में व्यस्त हैं।'' खरगे ने कहा, ''ड्रोन और रॉकेट चालित ग्रेनेड हमले शुरू हो गए हैं और यह अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनता जा रहा है। ऐसी गंभीर स्थिति में भाजपा इस्तीफे का नाटक करती नजर आ रही है।'' उनका कहना था, ''कांग्रेस की मांग है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए, केंद्र सरकार को संवेदनशील सुरक्षा स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए तथा राज्य बलों की मदद से सभी प्रकार के विद्रोही समूहों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जानी चाहिए।''

तकनीकी खराबी से रुकी नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। नई दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण इटावा जिले के भरथना और साम्हो के बीच रुक गयी, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह गाड़ी संख्या 22436, नई दिल्ली वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के इंजन में तकनीकी खराबी आ गयी। यह गाड़ी भरथना-साम्हो के बीच तकनीकी खराबी के कारण रुक गयी। इसके बाद एक राहत इंजन वहां 10:24 बजे पहुंचा और गाड़ी को भरथना स्टेशन पर लाया गया। उन्होंने बताया कि इस गाड़ी के यात्रियों को अलग-अलग ट्रेनों के जरिये कानपुर रवाना किया गया। सिंह ने बताया कि यात्रियों को कानपुर से वाराणसी भेजने के लिए एक विशेष गाड़ी का करीब पौने तीन बजे दोपहर इंतजाम किया गया। यह गाड़ी वंदे भारत के यात्रियों को लेकर वाराणसी के लिए रवाना हुई। इस दौरान रेलवे ने यात्रियों की खान पान सम्बन्धी सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त प्रबंध किये।

सुविचार

जितना शक आप अपनी क़ाबिलियत पर करेंगे, उतना नाक़ाबिल आपको ज़माना समझने लगेगा!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीओके का प्रश्न

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के रामबन विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीओके के निवासियों के लिए जो संदेश दिया, उसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दे रही है। बेशक पाकिस्तान ने भारत के उस भू-भाग पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। उसने वहां के लोगों का जीवन भी दयनीय बना रखा है। रक्षा मंत्री द्वारा पीओके के निवासियों के लिए कहे गए ये शब्द भी सत्य हैं कि 'हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है।' उन्होंने पीओके निवासियों के लिए यह कहकर कि '... आइए तथा हमारा हिस्सा बनिए', पाकिस्तान की फौज और सरकार को भी आईना दिखाया है। पीओके आज नहीं तो कल, पाकिस्तान के पंजे से छूटेगा ही छूटेगा। वहां उग्र विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं, जिनमें लोगों ने पाकिस्तान के जुल्म से आजिज़ आकर भारत से 'मिलने' की इच्छा जताई थी। हालांकि बात इतनी सादा नहीं है। आज पीओके में पाकिस्तान के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं, लोग सोशल मीडिया पर यह बात स्वीकार कर रहे हैं कि 'अगर वे जम्मू-कश्मीर में होते तो बहुत बेहतर ज़िंदगी गुजार रहे होते', तो इसकी वजह यह नहीं है कि वहां अचानक 'भारतप्रेम' की लहर पैदा हो गई है। असल वजह यह है कि पीओके में आम जनता का जीना मुहाल हो गया और जम्मू-कश्मीर में हालात बहुत बेहतर हैं। हमें वहां के अन्य सामाजिक पक्षों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। वास्तविकता यह भी है कि पीओके की डेमोग्राफी काफी हद तक बदल चुकी है। वहां पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से बड़ी तादाद में लाकर लोगों को बसाया गया है। वे कश्मीरी भाषा नहीं बोलते। पीओके में पाक फौज और रेंजर्स के जवान बस गए हैं। उनमें भी पंजाबियों का बोलबाला है। पीओके आतंकवादी कैंपों का गढ़ बन चुका है। वहां बहुत बड़ी तादाद उन लोगों की है, जो कश्मीरी खानपान, पहनावे, संगीत और संस्कृति से पूरी तरह कट चुके हैं।

यही नहीं, पाकिस्तानी एजेंसियों, मीडिया और आतंकवादी संगठनों ने उनका ब्रेनवॉश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वहां भारत के खिलाफ नफरत की कई घटनाएं देखने को मिलती हैं। पीओके पर पाकिस्तान का कब्जा एक समस्या है ही, वहां भारत के खिलाफ किए गए दुष्प्रचार का लोगों के दिलो-दिमाग पर असर बहुत बड़ी समस्या है। अगर ऐसे कुछ लोग भी इधर आ गए और उन्हें स्वतंत्र विचरण करने की अनुमति दे दी गई तो वे सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बन सकते हैं। ध्यान रखें, यहां किसी की पहचान, पहनावा, भाषा, आस्था या सामाजिक पृष्ठभूमि मुद्दा नहीं है। मुद्दा यह है कि पीओके के लोग भारत के विविधतापूर्ण समाज में घुल-मिलकर रह भी सकेंगे या नहीं? इस प्रश्न को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान ने पीओके के साथ जिस तरह भेदभाव किया, उसे बदहाली में रखा, उससे लोगों में आक्रोश का लावा पक रहा है। यह एक दिन जरूर फूटेगा। भारत को इसके लिए तैयार रहना होगा। आज पीओके के लोग सोशल मीडिया पर जम्मू-कश्मीर में आटा, दाल, चावल, सब्जियों, तेल, गैस और दवाइयों की कीमतें सुनते हैं तो अपना माथा पीट लेते हैं। वे उस घड़ी को कोसते हैं, जब पाकिस्तान ने वहां अवैध कब्जा किया था। इस समय पीओके सहित पूरे पाकिस्तान में दो चीजों की कीमतें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं- आटा और बिजली। वहां आटे की किल्लत से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, जबकि बिजली के बिल इतने ज्यादा बढ़ गए हैं कि राशि देखते ही करंट महसूस हो रहा है! कई घर ऐसे हैं, जहां सिर्फ दो बल्ब और एक पंखा हैं, लेकिन बिजली का बिल 50 हजार रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक आ रहा है। लोग बिजली का बिल भरने के लिए अपने घर का सामान बेचने को मजबूर हैं। ऐसे में वे किसी भी कीमत पर पाकिस्तान से जान छुड़ाना चाहते हैं। भविष्य में उनकी कोशिशें कामयाब होंगी, लेकिन उससे पहले उन्हें उस दुष्प्रचार से भी पीछा छुड़ाना होगा, जिस पर पीओके में बहुत लोग आंखें मूंदकर विश्वास करते हैं।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनावों को पुनः शुरू नहीं करना उचित नहीं है। हमारी सरकार के दौरान विधानसभा चुनावों की पूर्व तैयारी के कारण चुनाव स्थगित किए गए थे परन्तु अब ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है।

-अशोक गहलोत

नई दिल्ली स्थित राजस्थान के गौरव और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित निर्माणाधीन 'राजस्थान हाउस' का आज निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

राजस्थान सहित देशभर के असंख्य श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र रामदेवरा में पदयात्रा कर बाबा रामदेव जी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक बाबा रामदेव जी की महिमा अपरम्पार है, उनका जीवन दर्शन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भक्ति का नशा

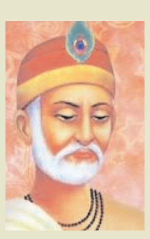

संत कबीरदास के पास प्रतिदिन कई जिज्ञासु आते थे। एक बार तीर्थयात्रा करते हुए कुछ साधु काशी पहुंचे और कबीर के दर्शन के लिए भी गए। वे चिलम सुलगाकर तंबाकू पीने लगे। कबीर ने साधु से पूछा, 'तंबाकू के नशीले धुएं से तुम्हें क्या फायदा होता है?' साधु ने कहा, 'कुछ क्षण के लिए मस्ती में खो जाता हूं।' कबीर ने कहा, 'इस विषैले पदार्थ के कारण तुम अपने शरीर को जला रहे हो। यदि वास्तव में सच्ची मस्ती का अनुभव करना चाहते हो, तो राम नाम का नशा चढ़ाकर देखो। भगवान के नाम का नशा पवित्र करता है।' साधु ने चिलम फेंककर भविष्य में नशा न करने का संकल्प लिया। एक बार एक व्यक्ति ने कबीरदास से पूछा, 'बाबा, संसार के प्रपंच में फंसकर भगवान को कैसे याद किया जा सकता है?' कबीर ने उत्तर दिया, 'जैसे पत्नी पीहर में दूर रहते हुए भी पति के ध्यान में लीन रहती है, उसी प्रकार मनुष्य संसार के कार्यों में लगे रहते हुए भी भगवान के चिंतन में क्यों नहीं लगा रह सकता?

सामयिक

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ौसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तानपरस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 3%0 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़िम्मेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफ़दारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

मुद्दा

आत्महत्या नहीं है किसी भी समस्या का हल

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरूकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 1%0924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

नजरिया

राजस्थान में बंपर बारिश ने बढ़ाया भूमिगत जलस्तर

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश के अनेक राज्यों में जहां भारी वर्षा से तबाही के समाचार मिल रहे है वहां नदी, नालों, तालाबों, झीलों, कुओं और बांधों में पानी की अच्छी आवक से भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर देखी जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक भूजल स्तर को फिर से जीवंत करने में वर्षा जल मदद करता है। पेयजल का मुख्य स्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभृत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है।

राजस्थान की बात करें तो, चालू मानसून में सर्वत्र बंपर वर्षा से खेत खलिहान से लेकर पेयजल की कमी वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर है। हालांकि अतिवृष्टि और बाढ़ से जन जीवन अस्त व्यस्त होने के साथ जानमाल के नुक्सान की जानकारी भी मिली है। इसके बावजूद किसानों का कहना है हमारी नदियों और अन्य स्रोतों में पानी की अच्छी आवक होने से भूमिगत जलस्तर में आशातीत रूप से वृद्धि हुई है। अनेक नदियां वर्षों से सूखी पड़ी थी, उनमें भी पानी आया है। भूजल स्तर में वृद्धि होने से डार्क जोन क्षेत्रों के कुओं, हैडपम्पों और ट्यूबवेल सहित अन्य स्रोतों में पानी आने से पेयजल की किल्लत ख़त्म होने के आसार है। प्रदेश के लगभग सभी बांध पानी से लबालब भर गए है जिससे सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में अच्छी मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस से पचास वर्षों की अवधि में सूखे की मार झेल रही अनेक जिलों की नदियों में पानी की आवक से लोगों के चेहरों पर ख़ुशी देखी जा रही है। मानसून ने पिछले 50 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है पानी की अच्छी आवक से भूमिगत जलस्तर 15 प्रतिशत तक रिचार्ज होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में चालू मानसून में अब तक औसत से 60 प्रतिशत से ज्यादा अर्थात 650 मि.मी बारिश हो चुकी है। बारिश ने वर्षों पचास के बाद प्रदेश में यह नया रिकॉर्ड बनाया है। अभी मानसून ख़त्म नहीं हुआ है और यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा।

गौरतलब है राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान रेतीला, बंजर, पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहां के निवासियों के मुख्य रोजगार है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेश- वासियों ने विपरीत स्थितियो में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा। राजस्थान अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों निजी कुओं के निर्माण से भूजल के दोहन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा खेती में सिंचाई भूजल के माध्यम से होती है।

जिसके परिणामस्वरूप भूजल में गिरावट आई है। भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं होने से संकट बढ़ रहा है। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण उसका अनियन्त्रित और अनवरत दोहन है। इस वर्ष चालू मानसून में अनेक ऐसी नदियों और तालाबों में पानी आने के समाचार भी मिल रहे जो वर्षों से सूखे की मार झेल रहे थे। भूजल खेती और सिंचाई के कार्य में बहुतायत से उपयोग में आता है।

'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान की एक रिपोर्ट में बताया गया है, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी।

पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार देश में कृषि के लिए लगभग 70 प्रतिशत भूजल का उपयोग किया जाता है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा यूजर है, जो यूएसए और चीन के कुल उपयोग से भी अधिक है। भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र देश की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए रोटी की टोकरी के रूप में काम करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत, जापान वित्तीय सहयोग बढ़ाने, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

नयी दिल्ली। भारत और जापान ने वित्तीय सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के मुताबिक, टोक्यो में आयोजित 'दूसरे भारत–जापान वित्त संवाद' में दोनों देशों ने वित्तीय संबंधों की मजबूती पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों ने एक–दूसरे की वृहद–आर्थिक स्थिति पर अपनी राय से भी अवगत कराया।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में भारत और जापान ने अन्य देशों में सहयोग, द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने विनियमन एवं निगरानी, वित्तीय डिजिटलीकरण और दोनों देशों में अन्य नीतिगत पहल सहित वित्तीय क्षेत्र के मुद्दों पर विचार साझा किए। बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के साथ जापान के वित्तीय सेवा उद्योग के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस दौरान भारत में निवेश बढ़ाने से संबंधित विभिन्न वित्तीय नियामकीय मुद्दों पर चर्चा की गई।

बयान के मुताबिक, दोनों पक्ष वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा जारी रखने पर सहमत हुए और वार्ता का अगला दौर नयी दिल्ली में आयोजित करने की संभावना पर रजामंदी जताई। दूसरा भारत–जापान वित्त संवाद टोक्यो में छह सितंबर को आयोजित किया गया। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने किया जबकि जापानी पक्ष की अगुवाई जापान के अंतरराष्ट्रीय मामलों के वित्त उप मंत्री अत्सुशी मिमुरा ने की। जापानी प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे।

भारतीय पक्ष से वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया।

चीन ने रूस के साथ संयुक्त नौसैनिक और वायुसैनिक अभ्यास का ऐलान किया

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को इस महीने रूस के साथ संयुक्त नौसैनिक और वायुसैनिक अभ्यास करने का ऐलान किया जो उनकी सेनाओं के बीच घनिष्ठता को रेखांकित करता है। इस बीच रूस यूक्रेन पर अपने आक्रमण पर जोर दे रहा है। मंत्रालय ने कहा कि 'नॉर्दर्न यूनाइटेड–2024' अभ्यास जापान सागर और सुदूर उत्तर में स्थित ओखोटस्क सागर में होगा, लेकिन कोई विवरण नहीं दिया गया है। इसमें कहा गया है कि नौसैनिक और हवाई अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग में सुधार करना और सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने की उनकी क्षमता को मजबूत करना है।

मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि दोनों नौसेनाएं पांचवीं बार प्रशांत महासागर में एक साथ उतरेंगी और रूस के 'ग्रेट ओशन–24' अभ्यास में एक साथ भाग लेंगी। लेकिन इसका कोई विवरण नहीं दिया गया। चीन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के पूर्ण हमले की आलोचना करने से इनकार कर दिया था। अब तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके युद्ध के मद्देनजर चीन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उकसाने के लिए अमेरिका और नाटो को दोषी ठहराया है। चीन ने रूस को प्रत्यक्ष रूप से कोई हथियार नहीं मुहैया कराया है, लेकिन रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा खरीदार होने के नाते यह मॉस्को के लिए आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से काफी अहम देश बन गया है।

विपक्ष जनता की आवाज है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी राज्य टेक्सास के डलास में कहा कि विपक्ष जनता की आवाज होता है। उन्होंने रेखांकित किया कि विपक्ष का ध्यान विशेष रूप से लोगों के दृष्टिकोण को सावधानीपूर्वक और संवेदनशील तरीके से समझने के बाद उनसे जुड़े मुद्दों को उठाने पर होता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी अमेरिका की चार दिवसीय अनौपचारिक यात्रा पर हैं। डलास में रविवार को टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान गांधी ने कहा, विपक्ष मूलतः लोगों की आवाज है। घटनाओं का एक पूरा क्रम चलता रहता है, लेकिन आमतौर पर आप ये सोचते हैं कि मैं भारत के लोगों के मुद्दों को कहां और कैसे उठा सकता हूं।

उन्होंने कहा, आप व्यक्तिगत दृष्टिकोण से सोचते हैं, आप समूह के दृष्टिकोण से, उद्योग, किसानों के नजरिए से सोचते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप लोगों की बातों को सावधानी से सुनकर एवं समझकर इसे संवेदनशील तरीके से करते हैं। संसदीय कार्यवाही के बारे में गांधी ने इसे विचारों और शब्दों का सुखद युद्ध बताया।

उन्होंने कहा, आप सुबह संसद जाते हैं, फिर एक युद्ध की तरह आप उसमें कूद पड़ते हैं और फिर आप लड़ते हैं। यह एक सुखद युद्ध है।

यह कभी–कभी मजेदार भी हो सकता है, कभी–कभी बुरा भी हो सकता है, लेकिन यह विचारों और शब्दों का युद्ध है। उन्होंने कहा, जब आप राजनीति में नए होते हैं तो आप सोचते हैं कि यह एक मुद्दा है लेकिन जब आप विस्तार से देखते हैं तो आपको एहसास होता है कि इसमें बारीक भेद और जटिलता है। इसलिए इस बारीक भेद को समझने के बाद आप उसके अनुसार अपने दिन के कार्यक्रमों की योजना बनाते हैं। आमतौर पर यह ऐसे ही काम करता है। गांधी शनिवार रात को डलास पहुंचे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा एवं इंडियन नेशनल ओवरसीज कांग्रेस, यूएसए के अध्यक्ष मोहिंदर गिलजियान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भारतीय–अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अपनी इस यात्रा के दौरान गांधी वाशिंगटन में भारतीय समुदाय के लोगों और युवाओं से बातचीत करेंगे। सोमवार से शुरू होने वाली वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिका के सांसदों और वहां की सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने की भी योजना है।

राहुल गांधी कोई 'पप्पू' नहीं हैं : सैम पित्रोदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

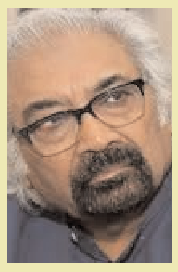

वाशिंगटन। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी कोई पप्पू नहीं हैं और भारतीय जनता पार्टी जो प्रचार करती है उसके विपरीत वह उच्च शिक्षित, पढ़े–गुने और रणनीतिकार हैं। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष पित्रोदा ने रविवार को डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का परिचय देते हुए यह टिप्पणी की। पित्रोदा ने कहा, उनके (गांधी के) पास एक ऐसा दृष्टिकोण है जो भाजपा द्वारा लाखों–करोड़ों रुपये खर्च करके प्रचारित किए जाने वाले दृष्टिकोण से बिलकुल अलग है। मैं आपको बता दूं कि वह कोई पप्पू नहीं हैं। वह उच्च शिक्षित, पढ़े–गुने, किसी भी विषय पर गहन सोच रखने वाले रणनीतिकार हैं। अमेरिका की यात्रा पर गए गांधी को उनके विरोधी कई वर्षों से 'पप्पू' कहकर संबोधित करते रहे हैं। छात्रों से बातचीत के दौरान गांधी ने कहा, विपक्ष मूलतः लोगों की आवाज है, घटनाओं का एक पूरा क्रम चलता रहता है, लेकिन आप आमतौर पर यह सोचते हैं कि मैं भारत के लोगों के मुद्दों को कहां और कैसे उठा सकता हूं।

संसदीय कार्यवाही के बारे में बात करते हुए गांधी ने इसे विचारों और शब्दों का रोचक युद्ध बताया। उन्होंने कहा, आप सुबह संसद जाते हैं, तो यह युद्ध जैसा होता है, आप अंदर जाते हैं और फिर लड़ते हैं, यह एक रोचक युद्ध है, यह कभी–कभी काफी मजेदार भी होता है, यह बुरा भी हो सकता है, लेकिन यह विचारों और शब्दों का युद्ध है। गांधी ने कहा, जब आप राजनीति में नए होते हैं, तो आप किसी मुद्दे को देखते हैं, आपको लगता है कि यह एक मुद्दा है, लेकिन जब आप विस्तार से देखते हैं, तो आपको पता चलता है कि इसमें बारीकियां और जटिलताएं हैं, इसलिए उस बारीक चीज को समझना और उसके अनुसार अपने दिन की योजना बनाना, आमतौर पर इसी तरह काम चलता है।

कैरियर से ज्यादा महत्वपूर्ण आत्म-सम्मान है: फिल्म निर्माता ओनिर

नयी दिल्ली। फिल्म निर्माता ओनिर का कहना है कि करियर से अधिक महत्वपूर्ण आत्म–सम्मान है और एक अल्पसंख्यक के रूप में उनके लिए यह आवश्यक है कि वे हाशिए पर मौजूद अन्य लोगों की आवाज उठाएं जिनके साथ गलत हो रहा है। समलैंगिक निर्देशक ओनिर ने कहा कि उन्होंने अपनी बात कहने के कई अवसर खो दिए हैं। ओनिर ने याद किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी नीत 'भारत जोड़ो यात्रा' में उनके भाग लेने के बाद दक्षिणपंथियों की धमकियों के कारण भोपाल साहित्य एवं कला महोत्सव (बीएलएफ) के 2022 संस्करण में 'एलजीबीटीक्यू' मुद्दों पर उनका सत्र रद्द कर दिया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या मुद्दों पर बोलने से उन्हें अवसरों से हाथ धोना पड़ा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने कहा, बेशक, ऐसा हुआ है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के बाद मुझे दक्षिणपंथियों से धमकियां मिलीं। मुझे पैनल चर्चाओं, साहित्यिक और फ़िल्म समारोहों से हटा दिया गया। जब मैं सुबह उठता हूं और खुद को आईने में देखता हूं, तो मुझे शर्म नहीं आती कि मैं चुप रहा। आत्म–सम्मान उस नुकसान से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ने कहा, मैं खुद अल्पसंख्यक समुदाय का सदस्य हूं और आज तक हमने जो हासिल किया है, वह हमारे कई सहयोगियों की वजह से है, जिन्होंने आवाज उठाई और हमारे साथ खड़े रहे। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं अन्य अल्पसंख्यकों या किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए ऐसा करूं, जिसके साथ गलत हो रहा है। एक तरह से, चुप्पी का मतलब तटस्थ होना नहीं है।

जिगरा के निर्देशक ने श्रद्धा से मांगी माफी

मुंबई/एजेन्सी

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की 'जिगरा' का ट्रेलर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है जो सोशल मीडिया पर चर्चा में भी बना हुआ है। वासन बाला की फिल्म 'जिगरा' 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्म का ट्रेलर भी काफी धमाकेदार है, जिसे देख लगता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार है। निर्देशक वासन बाला 'जिगरा' की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसी बीच अब वासन बाला ने स्त्री 2 से चर्चाओं में आई अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से माफी मांगी है, जिसके बाद से हलचल मची हुई है। निर्देशक वासन बाला ने फिल्म 'स्त्री 2' की प्रशंसा की, लेकिन श्रद्धा कपूर को पोस्ट में टैग नहीं किया था, जिसके कारण उन्होंने एक्ट्रेस श्रद्धा से मांफी मांगी। 'स्त्री 2' की प्रशंसा करते हुए अपने पोस्ट में श्रद्धा को छोड़कर सभी को टैग कर उनकी तारीफ करने पर उनकी खूब आलोचना की गई। इसी बीच 'जिगरा' के निर्देशक वासन बाला ने रविवार को आलिया भट्ट और वेदांग रैना फिल्म 'जिगरा' का ट्रेलर शेयर कर दिया है और श्रद्धा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ट्रेलर पोस्ट करते हुए और फिल्म की प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'ये तो थिएटर में भाई के साथ देखना है,' उन्होंने लिखा, 'क्या कमाल लड़की है आलियाभट्ट...क्या कमाल का ट्रेलर है वासनबाला जिगरा।' जैसे ही उन्होंने नोट शेयर किया, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस ने बताया कि कैसे वासन बाला ने 'स्त्री 2' के पोस्ट में उन्हें टैग नहीं किया था, लेकिन फिर भी श्रद्धा ने उनकी प्रशंसा की। कुछ ही मिनटों में निर्देशक बाला ने श्रद्धा के पोस्ट का जवाब दिया और इस दौरान उन्होंने इस गलती के लिए उनके प्रशंसकों से भी माफी मांगी है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों में जड़ों से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं: तमन्ना भाटिया

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री तमन्ना भाटिया का कहना है कि दक्षिण भारतीय फिल्मों में जड़ों से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं ,इसलिये उन्हें वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल हो रही है। तमन्नया भाटिया दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ ही बॉलीवुड फिल्मों में भी सक्रिय हैं। तमन्ना भाटिया ने दक्षिण भारतीय फिल्म और बॉलीवुड की फिल्मों के बीच अंतर बताया है। तमन्ना भाटिया का मानना है कि दक्षिण भारतीय फिल्मों में जड़ों से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं और यही वजह है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल हो रही है और फिल्में डबिंग वगैरह के जरिए लोगों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्मों में केवल वही बात कहने की कोशिश की जा रही है, जिसे वे अच्छे से जानते हैं।दक्षिण की फिल्मों में वहां की भौगोलिक स्थिति के बारे में खूब बात होती हैं।

यश कुमार की फिल्म 'हाथी मेरे साथी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार की आने वाली फिल्म हाथी मेरे साथी का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

यश कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हाथी मेरे साथी को लेकर चर्चा में हैं।यश कुमार एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज किया गया है।इस फिल्म के ट्रेलर में यश कुमार को एक्शन और इमोशन के बेहतरीन संयोजन के साथ पेश किया गया है।

इस फिल्म में रक्षा गुप्ता ने अहम किरदार निभाया है। यश कुमार ने कहा कि फिल्म हाथी मेरे साथी मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि इसमें न सिर्फ इंसानों के रिश्ते दिखाए गए हैं, बल्कि जानवरों के प्रति हमारा फर्ज़ और प्रेम भी दर्शाया गया है। हाथी भी इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा है, जो पूरी कहानी की धुरी है।इस फिल्म के जरिए हम दिखाना चाहते हैं कि जानवर भी हमारी भावनाओं को समझते हैं और उनके साथ हमारा रिश्ता इंसानों से कम नहीं होता। फिल्म की कहानी में हाथी और मेरे किरदार के बीच जो अनमोल बंधन दिखाया गया है, वह हर किसी को छू जाएगा। उम्मीद है कि दर्शक इसे उतने ही प्यार से अपनाएंगे, जितना हम सबने इसे बनाने में लगाया है।इस फिल्म के जरिए हमने जानवरों के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलने की कोशिश की है। फिल्म में एक्शन, इमोशन और संदेश का बेहतरीन मिश्रण है, जो दर्शकों को एक खास अनुभव देगा।

फिल्म के निर्देशक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि हाथी मेरे साथी में दमदार एक्शन, दिल को छू लेने वाली कहानी और शानदार लोकेशंस का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके अलावा, फिल्म की खासियत इसका जानवरों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और इंसानियत के अद्वितीय पहलुओं को सामने लाने का प्रयास है। यश कुमार की यह फिल्म उम्मीदों से भरी हुई है, और ट्रेलर को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार है। फिल्म हाथी मेरे साथी में यश कुमार के साथ रक्षा गुप्ता, अमित शुक्ला, बालेश्वर सिंह, सूर्या द्विवेदी, पूजा गुप्ता जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राकेश त्रिपाठी ने पटकथा और संवाद लिखे हैं, जबकि जहांगीर सैय्यद ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की है।

फिल्म का संपादन गुरजंट सिंह ने किया है, और प्रवीण शेलार ने नृत्य निर्देशन किया है। फिल्म के संगीत को मुन्ना दुबे ने तैयार किया है, और गानों के बोल राजेश मिश्रा और शेखर मधुर ने लिखे हैं। आलोक कुमार, प्रियंका सिंह और जतिंद्र सिंह जैसे गायक इस फिल्म के गानों को आवाज़ देंगे।

शिल्पा शेट्टी ने धूमधाम से किया 'गणपति बप्पा' का विसर्जन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने रविवार को धूमधाम से 'गणपति बप्पा' का विसर्जन किया। इस दौरान उनका पूरा परिवार बैंड और गानों की धुन पर जमकर थिरका। शिल्पा शेट्टी ने अपने प्रशंसकों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भगवान से सबको सुख–समृद्धि और सफलता देने की कामना की। बॉलीवुड अभिनेत्री के घर हर साल गणेश चतुर्थी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी उनके यहां इस समारोह को लेकर खास तैयारी की गई थी। रविवार को गणपति विसर्जन के साथ धूमधाम से ये कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैंजो ग्रुप और ढोल–नगाड़ों के साथ गणेश मूर्ति का विसर्जन किया गया। शिल्पा शेट्टी हिंदू संस्कृति के सभी त्योहार को धूमधाम से मनाती हैं। इस बार उन्होंने अपने घर पर डेढ़ दिन दिन के गणपति बप्पा की स्थापना की थी। आज बहुत ही भक्ति भाव के साथ उन्होंने भगवान को विदाई दी।

बिल्डिंग कैंपस में ही बने आर्टिफिशियल तालाब में उन्होंने गणपति बप्पा का विसर्जन किया। शिल्पा के साथ उनके पति राज कुंद्रा, बहन शमिता शेट्टी और और बेटा विहान मौजूद रहे। भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शिल्पा शेट्टी ने बताया कि हम सभी इस त्योहार को बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। एक्ट्रेस ने बैंड के धुन पर काफी डांस किया, उन्होंने गणपति बप्पा से फिर अगले साल आने का वादा लेकर उनका विसर्जन किया।

बात करें तो शिल्पा शेट्टी के पर्सनल लाइफ की, तो इन्होंने नवंबर 2009 में बिजनेसमैन राज से शादी की थी। दंपति के दो बच्चे हैं – बेटा वियान और बेटी समीशा।

शिल्पा ने आखिरी बार रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्मित और निर्देशित 'इंडियन पुलिस फोर्स' में तारा की भूमिका निभाई थी।

इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में थे। वह अगली बार 'केडी–द डेविल' में सत्यवती अग्निहोत्री के रूप में नजर आएंगी। आगामी कन्नड़ एक्शन फिल्म प्रेम द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शन के तहत सुप्रिथ द्वारा निर्मित है। फिल्म में ध्रुव सरजा, रेशमा नानैया, वी रविचंद्रन, रमेश अरविंद, जिशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही और संजय दत्त हैं।

नेगेटिव बातों से खुद को दूर रखती हैं अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि वह नेगेटिव बातों से खुद को दूर रखती है। बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे की बेटी की इन दिनों अपनी वेबसीरीज कॉल मी बे को लेकर चर्चा में है। अनन्या ने बताया कि वह नेगेटिव बातों से खुद को दूर रखती हैं। अनन्या पांडे ने कहा,'मैं अच्छे काम पर फोकस कर रही हूं, लोगों को जो कहना है कहते रहें, मुझपर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। 'हर किसी का एक नजरिया होता है, जजमेंट होता है। लोग हर तरह की बातें करते हैं।मैंने भी समय के साथ कई चीजें सीखी हैं। मैं फालतू के जजमेंट्स पर ध्यान नहीं देती। आप कितना भी कुछ कर लो, लोग कुछ न कुछ नेगेटिव ढूंढ़ ही लेंगे इसलिए बेहतर है कि आप अपने काम पर फोकस करो।

अक्षय कुमार ने अपनी नई फिल्म 'भूत बंगला का ऐलान किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने जन्मदिन पर अपनी नयी फिल्म 'भूत बंगला' की घोषणा की है। अक्षय कुमार आज अपना 57वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अक्षय कुमार ने अपनी अगली फिल्म 'भूत बंगला'की घोषणा की।इस फिल्म के जरिए अक्षय और निर्देशक प्रियदर्शन 14 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार साथ में वर्ष 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'खटटा मीठा' में काम किया था। अक्षय ने प्रियदर्शन के साथ हेराफेरी, गरम मसाला, भागमभाग, भुल भुलैया, दे दना दन, खट्टा मीठा जैसी फिल्मों में काम किया है।

अक्षय कुमार ने ट्वीट करते हुये लिखा,साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद! इस साल का जश्न 'भूत बंगला' के फर्स्ट लुक के साथ मना रहा हूं! मैं 14 वर्षों के बाद फिर से प्रियदर्शन के साथ जुड़ने के लिए बेहद उत्साहित हूं। आप सभी के साथ इस अविश्वसनीय यात्रा को साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। जादू के लिए बने रहें। इस फिल्म के जरिये 14 साल बाद अक्षय और प्रियदर्शन ऑन–स्क्रीन पर मिलेंगे। अक्षय ने फिल्म भूत बंगला के मोशन पोस्टर का भी अनावरण किया जिसमें वह दूध पीते नजर आ रहे हैं और एक काली बिल्ली उनके कंधे पर बैठी है। फिल्म भूत बंग्ला के वर्ष 2025 में रिलीज होने की उम्मीद है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। एकता आर कपूर बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले फिल्म 'भूत बंगला' का निर्माण कर रही हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य-संस्था 'शब्द' की मासिक काव्य गोष्ठी बीते रविवार को ऑनलाइन आयोजित हुई। इसमें 'शब्द' के सदस्यों के अलावा गाजियाबाद से युवा कवयित्री शैलजा सिंह, अल्मोड़ा से कवयित्री शशि जोशी, मुजफ्फरपुर से गजलगो सौरभ पांडेय, खंडवा से गीतकार श्याम तिवारी तथा वाराणसी से शुभा श्रीवास्तव की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

क्षमा वीरता की निशानी होती है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

हनुमंतनगर में सामूहिक क्षमायाचना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी के सान्निध्य में सामूहिक क्षमापना 'विश्व मैत्री दिवस' का कार्यक्रम मरुधर केसरी दरबार में आयोजित हुआ जिसमें उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने परस्पर क्षमायाचना की। साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि क्षमा वीरों का भूषण है। यह कायरों का व्यवहार नहीं है। कायर पुरुष न ही क्षमा माँग सकता है और न ही किसी को क्षमा कर सकता है, क्योंकि क्षमा माँगने और क्षमा करने इन दोनों कार्यों के लिए उदार हृदय चाहिए। इतिहास उन्हीं का बनता है जो बड़ा दिल रखकर दूसरों की गलतियों, भूलों को माफ कर देते हैं। प्रभु महावीर ने आगमों में कहा है कि क्षमाशील साधक समस्त परिषहों पर विजय प्राप्त कर लेता है। क्षमा का तेज और सहनशीलता का गुण जीवन को उज्ज्वल, प्रेरक महनीय यशस्वी बना देता हैं।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि क्षमा हृदय की समाधि और वीरता की निशानी है। क्षमा हमारे हृदय की वो फसल हैं जो हमारी समस्त साधना और व्यवहार की सरसब्ज बनाती है। क्षमा हमारे धर्म का मूल सिद्धान्त है। अपने क्षमावाणी के भावों को व्यक्त करते हुए उन्होनें तपस्वियों के तपस्या की अनुमोदना करते हुए कहा कि तप एक ज्वाला है और तप एक आग्र भी है। ज्वाला इसलिए के तप से आत्मा के कर्म जलकर खाख हो जाते है। तपस्या में वो ताकत है जो आत्मा को महात्मा और महात्मा को परमात्मा बनाती है। इस अवसर पर हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, कल्याण सिंह बुरड़ धनपत धारीवाल, संजय सिंघवी, संजयकुमार कचोलिया, किशोर बाफना, हेमन्त लुंकड़, सुरेन्द्र मेहता, हुक्मीचंद कांकरिया, संगीता धोका, विनिता छाजेड़ आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। महिला मंडल हनुमंतनगर ने गीतिका प्रस्तुत की। हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमजी सिंघवी एवम मंत्री सुरेश धोका ने संघ की ओर से सभी से क्षमायाचना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभिन्न संघों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। युवक मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। मंत्री सुरेश धोका ने निर्देशिका चेयरमैन सुशील बोहरा सहित धन संग्रह, भोजन – आवास, पांडाल वैयावच्च, धार्मिक गतिविधियां, युवक मण्डल, महिला मण्डल, बहु मण्डल, बालिका मण्डल, विहार सेवा, रसोई आदि समितियों के सदस्यों से क्षमायाचन की।

'शब्द' की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी, विविधता में एकता की झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य-संस्था 'शब्द' की मासिक काव्य गोष्ठी बीते रविवार को ऑनलाइन आयोजित हुई। इसमें 'शब्द' के सदस्यों के अलावा गाजियाबाद से युवा कवयित्री शैलजा सिंह, अल्मोड़ा से कवयित्री शशि जोशी, मुजफ्फरपुर से गजलगो सौरभ पांडेय, खंडवा से गीतकार श्याम तिवारी तथा वाराणसी से शुभा श्रीवास्तव की भागीदारी उल्लेखनीय रही। विद्वान शिक्षक प्रो शिवनंदन सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी का युवा गीतकार लोकेश मिश्र ने संचालन किया ।

कार्यक्रम का प्रारंभ कश्मीर से विस्थापित युवा कवि दीपक सोपोरी की स्वरचित वंदना से हुआ। उन्होंने अपनी बारी में कतिपय कविताओं का सस्वर पाठ भी किया।शैलजा सिंह ने बंगाल महिला डॉक्टर कांड की पृष्ठभूमि में 'अरे लड़कियो ! सुनो जरा / बात मेरी तुम गुनो जरा' बोल वाला फड़कता गीत सुनाकर श्रोताओं को संवेदित किया। माहौल को परवान चढ़ाने में शशि जोशी के गीत 'हर तरफ नफ़रतें हसरतें तल्खियाँ / खोयी जाने कहाँ प्यार की तितलियाँ' का योगदान सराहनीय रहा। आभासी रचना गोष्ठी में स्वर्ण ज्योति, उषारानी राव, श्रीकांत शर्मा, राजेन्द्र गुलेच्छा, सौरभ पांडेय, अचला प्रवीन, लोकेश मिश्र, मैथिली पी राव, श्याम तिवारी, शुभा श्रीवास्तव और श्रीनारायण समीर ने भी विभिन्न भावों में रची-पगी एक-से-एक अच्छी रचनाएँ सुनाईं।

शुरुआत में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने स्वागत उद्बोधन में स्वाधीन भारत में सितंबर महीने का महत्त्व बताते हुए भारत की भाषायी विविधता को राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विशिष्टता का प्रतीक बताया तथा हिंदी की सामासिकता की चर्चा की।उन्होंने कहा कि 14 सितंबर, सन् 1949 को भारतीय संविधान में संघ सरकार के कामकाज की आधिकारिक भाषा के तौर पर हिंदी को अपनाया गया तथा प्रादेशिक सरकारों की कामकाजी भाषा के रूप में कन्नड़, तमिल, तेलुगू,मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, असमी, पंजाबी आदि भाषाओं को संविधान सम्मत भाषा का दर्जा दिया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो शिवनंदन सिन्हा ने आयोजन की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए राष्ट्र की पहचान के लिए राष्ट्र भाषा के महत्त्व पर बल दिया । उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में एक कविता भी सुनायी। 'शब्द' की सचिव डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन से रचनागोष्ठी संपन्न हुई ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेश पूजा व सहयोग

बेंगलूरु के कुरबनहल्ली क्षेत्र में निवासियों द्वारा गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होकर महेंद्र मुणोत ने भगवान गजानन की विशेष पूजा कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।

ओसबन रोड चन्द्रप्रभस्वामी मंदिर से निकाला गया विशाल वरघोड़ा

पर्युषण पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित हुई शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओसबन रोड स्थित चन्द्रप्रभस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ द्वारा पर्युषण पर्व के उपलक्ष्य में साध्वीश्री सम्वेगयशाश्रीजी व ऋषभयशाश्रीजी के सान्निध्य में भव्यतिभाव्य रथयात्रा (वरघोड़ा) निकाली गई। संघ के इन्दरचन्द रमेशचन्द मंगलचन्द बोहरा, सुरेशचन्द बोहरा, अशोकचन्द चुत्तर, महेन्द्र सोलंकी आदि रथयात्रा में धूप, दीप, प्रभु चित्र आदि लेकर शामिल हुए। भाते के लाभार्थी नैनीबाई देवराज रांका परिवार वाले रहे। शोभायात्रा में लखपत मुणोत ने भक्ति गीतों का संमा बांधा। शोभायात्रा में इन्दरचन्द रमेशचन्द मंगलचन्द बोहरा, मोहनलाल बोहरा, जयचन्द लुणिया, किशनलाल सुरेशकुमार बोहरा, जयचन्द चुत्तर, कमल गादिया, ललित बोहरा, देवीचन्द गुलेच्छा, शांतिलाल बोहरा सहित युवक मंडल के अनेक सदस्यों ने नाच-गाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अरिहंत मंडल के सदस्यों ने ने भी उत्साह से भाग लिया। विकासगुरुजी व संकेतगुरुजी ने विधि विधान किया आरती व मंगलदीपक का लाभ मीताबाई हितेशभाई शाह ने लिया। अंगरचना के लाभार्थी स्मिता सिपानी व कयूरभाई सपानी रहे।

'मातृछाया' ने पर्युषण महापर्व पर किए अनेक मानव सेवी, जीवदया एवं साधर्मिक भक्ति कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की सदस्याओं ने पर्युषण महापर्व में उल्लेखनीय मानव सेवा, जीवदया एवं साधर्मिक भक्ति के कार्य किए। सदस्याओं ने सज्जनराव सर्कल के समीप संगठन द्वारा 200 जरूरतमंद लोगों को भोजन, अन्य जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री एवं आर्थिक सहयोग, किदवई हॉस्पिटल में 400 जरूरतमंद मरीजों को फल, ड्राई फ्रूट्स एवं आवश्यक सामग्री वितरित की। इसके अलावा संगठन के सदस्याओं ने नेल्लूर गौशाला व ऋषभ कामधेनु गौशाला में जाकर गायों को चारा खिलाया एवं गौशाला को विशाल धन राशि का भी सहयोग किया। सदस्याओं ने वृद्धाश्रम में जाकर बेसहारा बुजुर्गों के साथ समय बिताया एवं वृद्धाश्रम में फल, ड्राई फ्रूट्स, दवाईयां एवं राशन सामग्री का सहयोग किया। कर्नाटक वेलफेयर एसोसिएशन फॉर दि ब्लाइंड में करीब 50 बच्चों के लिए राशन सामग्री एवं उनके संस्था को धन राशि का भी सहयोग किया। मनोविकास सेवा केंद्र में 25 लीटर दूध के साथ राशन सामग्री, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट्स एवं डाइपर्स प्रदान किए। संस्था ने आहोर राजस्थान के जागृति जन सेवा संस्थान मंदबुद्धि आश्रम में निवासित बच्चों को तीनों समय का भोजन कराया तथा पशुओं को फल खिलाकर जीवदया भक्ति की। सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर के समीप 300 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बडोला, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी सहित बड़ी संख्या में सदस्याओं ने मानवसेवा व जीवदया कार्य में सहयोग दिया।

सामूहिक क्षमापना दिवस पर किया वरिष्ठजनों व तपस्वियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में संघ का सामूहिक क्षमापना उत्सव मनाया गया। संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया की अध्यक्षता में आयोजित विशेष समारोह में संघ ने वरिष्ठ श्रावक श्राविकाओं सहित वर्षीतप, शत्रुंजय उपधान, सिद्धि तप के तपस्वियों का सम्मान किया गया।

श्रीपाल बांठिया के मंगलाचरण से प्रारंभ समारोह को महिला मंडल की अध्यक्षा आशा बोहरा एवं युवक संघ के मंत्री गौतम बांठिया ने संबोधित किया। संचालन करते हुए संघ मंत्री अभयकुमार बांठिया ने बताया कि इस बार अलसूर में कार्यरत डायलेसिस सेवा केन्द्र में सहयोग दिया जाएगा। संघ ने सभी सदस्यों के साथ आपस में क्षमायाचना करते हुए इस वर्ष 90 प्रतिशत से ज्यादा नंबर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट, इंजीनियर और खेल में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तथा प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले बच्चों का सम्मान किया गया। सम्वतसरी प्रतिक्रमण कराने के लाभार्थी मूलचंद खारीवाल एवं लोगस्स के लाभार्थी धर्मीचंद बोहरा एवं आठों दिन प्रतिक्रमण करने वाले बच्चों को भी रजत पदक से सम्मानित किया गया।

क्षमापना है घर वापसी का आखिरी अवसर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में बड़े पैमाने पर संवत्सरी पर्व पर आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन और वार्षिक प्रतिक्रमण करवाते हुए जैनाचार्य ने कहा कि इजरायल हो या अरब के देश, यूक्रेन हो या रूस, हिन्दू हो या मुसलमान, हसीना की पार्टी हो या उसके विपक्षी दल, इंसानों की जिंदगियों का अंत हैं, लड़ाईयों का कोई अंत नहीं है। कभी एक पक्ष जीतता है तो कभी दूसरा पक्ष हावी रहता है।

मानवता तो दोनों ही पक्षों में हारती है। दोनों ही पक्षों की पशुता प्रकट होती है। भावुकता और उत्तेजना, दोनों ही आवेग दशाएं हितकर नहीं हैं। भगवान महावीर कहते हैं कि क्षमापना ही रास्ता है गलतियों को भूलने का और पुनः शांति से जीने का। इजरायल, हमास, फिलिस्तीन, ईरान, लेबनान, टर्की, पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूक्रेन, रूस, सभी में व्यापक विनाश के बाद आखिरकार शांति समझौते ही होने हैं। जो विनाश हुआ होगा, उसकी भरपाई किसी से भी नहीं होगी। समझौते के बाद भी मन से एक दूसरे को माफ नहीं करेंगे तो द्वेष की भावना बनी रहेगी। कुछ वर्षों बाद वे देश जानवर बनकर फिर लड़ेंगे। यह अंतहीन सिलसिला चलता रहेगा। क्षमापना प्रेरणा है।

बचने का और शांति से जीने का मौका है। हर व्यक्ति को यह समझने की आवश्यकता है। इस अर्थ में सांवत्सरिक क्षमापना का प्रतिवर्ष विश्वस्तर पर आयोजन होना चाहिए। मानवता की रक्षा के लिए इसे आवश्यक रूप से उत्सव के रूप में मनाना चाहिए।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य का मन भावुकता या उत्तेजना, दोनों ही परिस्थितियों में अपनी मर्यादाओं का उल्लंघन करता है। मन की ये दोनों ही भावदशाएं जैनशास्त्रों के अनुसार रागात्मक और द्वेषात्मक विभावदशाएं कहलाती हैं। इन्हीं दोनों अशुभ दशाओं में छेड़छाड़, दुराचार, विश्वासघात, छलकपट, घृणा, क्रोध, हिंसा, युद्ध, हत्या आदि पाप-अपराध होते हैं। संवत्सरी पर्व इन अपराधों की क्षमायाचना का वार्षिक अवसर है। एक प्रकार से यह मन से हुए बहिर्गमन को सुधारकर, पुनः घर वापसी का पुरुषार्थ है। बदले की भावना तो अशांति और तनावग्रस्त ही रखेगी। मनुष्य जाति के पास पागलपन या सर्वनाश से बचने के लिए क्षमापना के अतिरिक्त दूसरे कोई विकल्प नहीं हैं।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि संवत्सरी के उपलक्ष्य में 300 से अधिक श्राद्धालुओं ने पौषध व्रत अंगीकार किया। दो हजार से अधिक लोगों ने गुरुनिश्रा में भावपूर्वक प्रतिक्रमण किया।

भोजपुरी समाज की कोर कमेटी बैठक में छठ पूजा की तैयारियां शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति के कोर कमेटी की बैठक इंदिरानगर स्थित प्रधान कार्यालय में संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन की अध्यक्षता में हुई।

सचिव गिरीशचन्द्र पाण्डेय एवं महासचिव ललितेश्वर प्रसाद सिंह ने संचालन करते हुए संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। नए सदस्यों को संस्था से जोड़ा गया तथा समिति के महामंत्री एवं ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पटेल, उपाध्यक्ष जीतेन्द्रमोहन सिंह, उपकोषाध्यक्ष शिवशंकर साह, चेयरमैन संजयसिंह, कोषाध्यक्ष जेबी सिह, उपकोषाध्यक्ष डीके साव एवं मीडिया प्रभारी सुनील कुमार ने दोनों का सम्मान किया।

सुधीरसिंह सिकरीवाल ने समिति को एक डिजिटल कैमरा तथा पुष्कर कुमार ने समिति को एक लैपटॉप प्रदान करने का घोषणा की। महासचिव ललितेश्वरप्रसाद सिंह ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के बारे में तो कोषाध्यक्ष जेबी सिह ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन ने स्वतंत्रता दिवस पर गठित सात सदस्यीय टीम की अध्यक्ष सुनीता पांडेय के कार्यों की सराहना की। सिंह ने बताया कि इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 5 नवंबर से होगी। महामंत्री राकेश पटेल ने छठ पूजा के बारे में रुपरेखा बताई।

बिहार भवन में धूमधाम से मनाया गया गणेश उत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरटी नगर स्थित बिहार भवन में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के नवयुवक मंच द्वारा गणेश उत्सव का आयोजन किया गया। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने विधि विधान से यजमान राहुल शर्मा से पूजा करवाई। इस मौके पर सचिन सांवरिया द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भजन के बाद भगवान गणेश की आरती व प्रसाद वितरण हुआ। इस कार्यक्रम में नवयुवक मंच अध्यक्ष मनोहर साह, उपाध्यक्ष प्रवीण उपाध्याय, रवि रंजन, अजीत पोद्दार, हरीशचंद्र झा, राजेश्वर सिंह, रामलखन सिंह, मिंटू दुबे, दीपेश कुमार, रामकिंकर सिंह, यशवंत सिंह, हीरा झा, डेजी शर्मा, निधि श्रीवास्तव, उदयकुमार, विनयकुमार, अमित झा आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाव संगीत

बेंगलूरु की शर्मा म्यूजिक अकादमी द्वारा एचएसआर लेआउट स्थित विनायक मंदिर में भक्ति भाव संगीत उत्सव का आयोजन किया जिसमें युवा कलाकार संजना राव व ऐश्वर्या राव ने गीत गाया, चिन्मय भारद्वाज ने हारमोनियम व प्रज्वल शर्मा ने तबले पर उनका साथ दिया। अकादमी के नागभूषण शर्मा ने सभी का आभार जताया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com